जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, रविवार 15 फरवरी, 2026

6 मिनट दूर नहीं
गुना ज्यादा सुरक्षित

6 लेयर सिक्योरिटी
60 एमेनीटीज़

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

कोठी
₹4700/ Sq Ft से शुरु

वॉक-अप अपार्टमेंट
₹4000/ Sq Ft से शुरु

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

गुणों से ही मनुष्य महान होता है, ऊँचे आसन पर बैठने से नहीं। महल के ऊँचे शिखर पर बैठने मात्र से कौवा गरूड़ नहीं हो सकता। -चाणक्य

आयुर्वेद के रसायन मानवता के लिये वरदान हैं

आज की चर्चा एक बार पुनः आयुर्वेद के रसायनों पर है। जैसा कि पहले चर्चा की जा चुकी है, जीवन में एक ऐसा समय आता है जब कितना ही बुद्धिमान डॉक्टर हो या कितनी ही बढ़िया चिकित्सा हो, रोग ठीक करना मुश्किल हो जाता है। यदि व्यक्ति का बल और मांस क्षीण हो जाये तो ऐसा भान होने लगता है जैसे आयु पूरी हो चुकी है। कोई महाव्याधि अचानक निवर्तित हो जाये व भोजन से मिलने वाले लाभ मिलना भी बंद हो जायें तो भी यही स्थिति बनती है (देखें, सु.सू.32.7-8): चिकित्स्यमानः सम्यक च विकारो योऽभिवर्धते। प्रक्षीणबलमांसस्य लक्षणं तद्गतायुषः।। निवर्तते महाव्याधिः सहसा यस्य देहिनः। न चाहारफलं यस्य दृश्यते स विनश्यति।। जानी-मानी व बहुत लोगों पर सफल और बढ़िया तैयार औषधि भी यदि किसी व्यक्ति में वांछित प्रभाव ना दे पा रही हो तो व्यक्ति को गैर-उपचार योग्य श्रेणी में माना जाता है। चिकित्सक की सलाह से तैयार कर दिये गये भोजन का वांछित परिणाम नहीं मिल रहा हो, तो चिंताजनक स्थिति मानी जाती है (देखें, च.इ.12.7-8): विज्ञातं बहुशः सिद्धं विधिवच्चावचारितम्। न सिध्यत्योषधं यस्य नास्ति तस्य चिकित्सितम्।। आहारमुपयुञ्जानो भिषजा सूपकल्पितम्। यः फलं तस्य नाप्नोति दुर्लभं तस्य जीवितम्।। बात यहाँ अति-कठिन परिस्थिति की है।

वस्तुतः आयुर्वेद के दृष्टिकोण से माना जाता है कि जब मृत्यु का समय निकट आता है तो कुछ अरिष्ट प्रकट होते हैं (देखें, च.इ.2.5): न त्वरिष्टस्य जातस्य नाशोऽस्ति मरणादृते। मरणं चापि तन्नास्ति यन्नारिष्टपुरःसरम्।। किन्तु माना यह भी जाता है कि अरिष्ट को निर्विवाद रूप से पहचानने में त्रुटि भी हो सकती है (देखें, च.इ.2.6): मिथ्यादृष्टमरिष्टाभमनरिष्टमजानता। अरिष्टं वाऽप्यसम्बुद्धमेतत् प्रज्ञापराधजम्।। कहने का तात्पर्य यह है कि हो सकता है वास्तव में अरिष्ट प्रकट ना हुआ हो, फिर भी त्रुटिवश प्रकट हुआ मान लिया जाये।

अतः यदि भ्रम की स्थिति हो तो चिकित्सा की जाये या नहीं? यदि हाँ, तो कैसी चिकित्सा उपयुक्त हो सकती है? मेरे विचार से अरिष्ट की सही या गलत पहचान के पचड़े से बाहर निकलकर चिकित्सा करना ही उचित है। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें अंतिम स्थिति में पहुंचा हुआ मानकर धरती पर लिटाकर तुलसी और गंगाजल खिला-पिला दिया गया। गाय की बछिया की पूँछ पकड़ा कर दान-पुण्य भी करा दिया गया। पर वे फिर उठ खड़े हुये और कई साल चले। इसलिये जब तक प्राण हैं, चिकित्सा करना उपयोगी है।

अब प्रश्न यह है कि ऐसी कौन सी चिकित्सा है जो अरिष्ट निवारण में सक्षम हो सकती है? वैसे तो अरिष्ट-निवारण की सामर्थ्य कम ही व्यक्तियों में होती है, तथापि यह असंभव नहीं है। अरिष्ट प्रकट होने के बाद भी युक्ति-व्यपाश्रय, सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय की त्रिवेणी में की गयी चिकित्सा मृत्यु को टाल सकती है। इसका संकेत वैज्ञानिक-महर्षि आचार्य सुश्रुत ने दिया है। रिष्ट उत्पन्न होने पर मृत्यु निश्चित है, तथापि मानस दोषों से मुक्त विद्वान के द्वारा या रसायन, तप, और जप में पारंगत व्यक्ति द्वारा मृत्यु का निवारण किया जा सकता है (देखें, सु.सू.28.5): ध्रुवन्तु मरणं रिष्टे ब्राह्मणैस्तत् किलामलैः। रसायनतपोजप्यतत्परैर्वा निवार्य्यते।। कठिन रोगों की स्थिति में भी बचने की संभावना यहाँ साफ़ दृष्टिगोचर है।

क्या वास्तव में रसायन इतने उपयोगी और प्रभावी हैं? संहिताओं, शोध और अनुभव तीनों में ही इस प्रश्न का उत्तर धनात्मक ही मिलता है। आइये पहले संहिताओं के वे प्रमाण देखते हैं जो केवल कठिन रोगों व परिस्थितियों के सन्दर्भ में हैं। पहला प्रमाण आचार्य सुश्रुत के उस कथन से मिलता है जिसमें रोगों की सूची देते हुये संकेत किया गया है कि ये रोग रसायन के बिना असाध्य हो जाते हैं (देखें, सु.सू.33.3): ये जुष्टा व्याधयो यान्त्यवार्यताम्। रसायनाद्विना वत्स तान् शृण्वेकमना मम।। इस संदर्भ से यह संकेत तो स्पष्ट है ही कि रसायन से रोगों को उन अवस्थाओं में जाने से रोका जा सकता है जहां वे चिकित्सा की दृष्टि से असाध्य हो जाते हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रसायन असाध्य रोगों को भी साध्य बनाते हुये चिकित्सा में मददगार हो सकते हैं। उदाहरण के लिये, हालाँकि कुष्ठ और प्रमेह असाध्य होते हैं, पर आचार्य सुश्रुत ने स्वयं एक ऐसा योग दिया है जो असाध्य कुष्ठ और प्रमेह को भी ठीक कर देता है (सु.चि. 10.12): एषौषधायस्कृतिरसाध्यं कुष्ठं प्रमेहं वा साधयति। वस्तुतः यह उस सिद्धान्त की विजय है जिसमें आचार्य चरक ने चिकित्सा की सफलता में युक्ति को सर्वोपरि माना है। यहाँ निहितार्थ यह है कि यदि रसायन चिकित्सा की जाये तो ये रोग असाध्य नहीं हो पाते। आधुनिक वैज्ञानिक शोध में रसायन उसी प्रकार उपयोगी पाये गये हैं जैसा कि आचार्य सुश्रुत ने निर्दिष्ट किया है। दूसरा प्रमाण, चरकसंहिता की टीका में चक्रपाणि द्वारा महर्षि अगस्त्य को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि रसायन, तप व जप में सिद्ध महान लोग काल मृत्यु को भी जीत लेते हैं, पर आलसी आदमी नहीं (देखें, च.सू.1.62 पर चक्रपाणि.): रसायनतपो जापयोगसिद्धैर्महात्मभिः। कालमृत्युरपि प्राज्ञैर्जीयते नालसैर्नरैः।। तीसरा प्रमाण महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक द्वारा सोसायटल कोलैप्स या जनपदोध्वंश की स्थिति-हवा, पानी, मिट्टी और ऋतुओं के प्रदूषित हो जाने से उत्पन्न महामारियों-में पंचकर्म व रसायनों के द्वारा समस्या निवारण हेतु सुझाया गया रास्ता है (देखें, च.वि.3.13-14): येषां न मृत्युसामान्यं सामान्यं न च कर्मणाम्। कर्म पञ्चविधं तेषां भेषजं परमुच्यते।। रसायनानां विधिवच्चोपयोगः शस्यते। शस्यते देहवृत्तिश्च भेषजैः पूर्वमुद्धृतैः।।रसायन द्रव्यों के साथ ही अद्रव्य रसायन भी हैं जो सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय चिकित्सा में मददगार हैं। उदाहरण के लिये दान, विनम्रता, दया, सत्य, ब्रह्मचर्य, कृतज्ञता, मित्रता, रसायन व अच्छे कार्य सब उम्रवर्धक हैं (अ.हृ.शा.3.120): दानशीलदयासत्य ब्रह्मचर्यकृतज्ञताः। रसायनानि मैत्री च पुण्यायुर्वृद्धिकृद्गणः।।

हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45-60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अतः हैल्थस्पान में बेहतरी होती है।

संहिताओं के साथ ही आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों से भी रसायनों की क्रियात्मकता के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। मेरे ज्ञान में रसायन योगों पर 2100 शोधपत्र और एकल रसायनों पर कम से कम 5000 शोधपत्रों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसमें रसायनों की त्रिदोष-नियामकता पर ठोस प्रश्नचिन्ह लगाया हो। आइये कुछ उदाहरण देखते हैं।

उम्र-आधारित रोगजनन का एक प्रमुख कारण डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म में गड़बड़ी होना माना जाता है। जीवित कोशिकाओं के गुणसूत्रों में पाये जाने वाले तंतुनुमा अणु को डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड या डी.एन.ए.कहा जाता है। इसी में अनुवांशिक कोड निहित रहता है। जैसे-जैसे डी.एन.ए. डैमेज का बोझ बढ़ता जाता है, शरीर बुढ़ापे की ओर बढ़ता जाता है। इस कारण अनेक समस्यायें जैसे-कैंसर, न्येरोडीजेनरेशन और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली अनेक व्याधियां विकसित हो जाती हैं। शरीर की कोशिकाओं द्वारा डी.एन.ए. डैमेज केसंकेत प्राप्त करना और टूट-फूट की मरम्मत करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है। इसीलिये बढ़ती उम्र में अनेक रोग लग जाते हैं।

तो क्या आयुर्वेद के रसायन बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकते हैं? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45-60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अतः हैल्थस्पान में बेहतरी होती है। एक तीसरा उदाहरण अश्वगंधाा का दिया जा सकता है। कुल 50 स्वस्थ खिलाड़ियों के मध्य किये गये क्लीनिकल ट्रायल में यह पाया गया है कि अश्वगंधा की जड़ों का एक्सट्रैक्ट कार्डियोरेस्पायरेटरी सहनशीलता को बढ़ा देता है। इसके अलावा अनेक इनवाइट्रो, इन वाईवो और क्लिनिकल अध्ययन में अश्वगंधा और आमलकी सहित तमाम रसायनों द्वारा कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियाँ, मानसिक बीमारियों तथा अपर-रेस्पायरेटरी-ट्रैक्टसंक्रमण से बचाव होता है। एक प्रमाण-आधारित तथ्य यह भी है कि आयुर्वेद के रसायनों से बेहतर एंटी-एंग्जाइटी व वाजीकर से बेहतर एंटी-डिप्रेशेंट औषधि कोई नहीं है। बुढ़ापा आने का एक कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन का बढ़ना भी है। रसायन द्रव्यों के उपयोग करते रहने से शरीर का व्याधिक्षमत्व बढ़ता है तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन में कमी होती है।

उत्तम बात यह है कि कुछ ऐसे द्रव्य हैं जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। फल व सूखे मेवे, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, मूंग, जल, दूध, घी, तुलसी, शहद, गुड़, त्रिकटु एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनके युक्तिपूर्वक सेवन के लिये किसी क्लिनिकल ट्रायल का इंतज़ार करने की आवश्यकता नहीं है। संहिता, साइंस और अनुभव सब इन द्रव्यों के पक्ष में हैं।

मृत्यु की तिथि तय नहीं है, अपितु प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा रखती है (च.वि. 3.29: भूतानामायुर्युक्तिमपेक्षते। युक्ति से उम्र बढ़ सकती है। असल में युक्तिव्यपाश्रय आचार्य चरक द्वारा आयुर्वेदाचार्यों पर किये गये विश्वास की पराकाष्ठा है। चिकित्सा में सफलता युक्ति पर निर्भर है (च.सू. 2.16): सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता। जब सफलता युक्ति पर आश्रित हो तो साध्य-असाध्य या अरिष्ट की जाँच-परख से ज्यादा महत्त्व युक्ति के प्रयोग पर दिया जाना चाहिये। और इस युक्ति में रसायन महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। इसलिये मेरा मानना है कि आयुर्वेदाचार्यों की देखरेख में लिये जाने वाले रसायन मौत के मुंह से निकाल लाने की क्षमता रखते हैं। रसायनों की क्षमताओं को पहचानिये। रसायन जरा-व्याधि का नाश तो करते ही हैं, जीवन का नाश भी रोक सकते हैं।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजस्थान में डबल इंजन की रफ्तार: समन्वित नेतृत्व से तेज़ विकास की नई इबारत

राजेंद्र गहलोत

राजस्थान की राजनीति और विकास यात्रा के वर्तमान अध्याय में डबल इंजन सरकार केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि नीतिगत समन्वय और संसाधनों के अधिकतम उपयोग का व्यावहारिक मॉडल बनकर उभरा है। एक ओर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 और दूसरी ओर राज्य में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में घोषित राजस्थान बजट 2026-27 दोनों मिलकर विकास की ऐसी समवेत धारा बना रहे हैं, जिसका प्रभाव प्रदेश के गांव से लेकर महानगर तक स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में राजस्थान को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में 90,445 करोड़ रुपये मिलना राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। पिछले वर्ष की तुलना में 6,505 करोड़ रुपये की वृद्धि यह दर्शाती है कि वित्तीय संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों को अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनकम टैक्स से 32,187 करोड़ रुपये और कॉर्पोरेट टैक्स से 26,550 करोड़ रुपये का अनुमानित हिस्सा यह संकेत देता है कि औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार का लाभ राजस्थान तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। इन केंद्रीय संसाधनों का समन्वय राज्य के 6,10,956 करोड़ रुपये के विशाल बजट से होता है। यह वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। नीति, पूंजी और क्रियान्वयन की एकरूपता डबल इंजन का वास्तविक अर्थ है। राजस्थान सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल महत्वाकांक्षी नहीं, बल्कि ठोस आधार पर आधारित है। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 21.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपये से अधिक होने की संभावना है। यह संकेत है कि विकास केवल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि नागरिकों की जेब तक पहुंच रहा है।

केंद्र का विजन 2047 और राज्य का 4.3 ट्रिलियन लक्ष्य दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 12.2 लाख करोड़ रुपये का सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और राज्य स्तर पर 53,978 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय का प्रावधान से सड़क, रेल, जल, ऊर्जा और डिजिटल ढांचे में व्यापक परिवर्तन संभव होता है। केंद्रीय स्तर पर लॉजिस्टिक्स, रेल और राष्ट्रीय राजमार्गों में निवेश तथा राज्य स्तर पर सड़क, शहरी विकास और जल परियोजनाओं में पूंजीगत व्यय का संयोजन प्रदेश के औद्योगिक और कृषि विकास को नई गति दे रहा है।

जल जीवन मिशन के लिए 67,600 करोड़ रुपये का राष्ट्रीय प्रावधान और राज्य में यमुना जल परियोजना (32,000 करोड़ रुपये) तथा रामजल सेतु लिंक परियोजना (26,000 करोड़ रुपये) जैसे प्रयास मिलकर जल संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। यह समन्वय ही डबल इंजन की असली ताकत है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई सेक्टर की ऐतिहासिक भूमिका रही है। केंद्रीय बजट में 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड और 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान ने उद्योग जगत में नई ऊर्जा भरी है। किशनगढ़ का मार्बल उद्योग, भीलवाड़ा का टेक्सटाइल क्लस्टर, जयपुर का जेम्स एंड ज्वेलरी क्षेत्र और अलवर का ऑटो कंपोनेंट उद्योग तकनीकी उन्नयन और पूंजी उपलब्धता से लाभान्वित होंगे।

राज्य स्तर पर निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक अवसंरचना का विस्तार इन केंद्रीय पहलों को जमीन पर उतारने में सहायक सिद्ध हो रहा है। निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित होना इसी समन्वित नीति का परिणाम है। राजस्थान बजट में शिक्षा के लिए 35 प्रतिशत वृद्धि कर 69,000 करोड़ रुपये का प्रावधान मानव संसाधन सशक्तिकरण की गंभीरता को रेखांकित करता है। 400 स्कूलों को सीएम राइज विद्यालयों के रूप में उन्नत करना और प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने की केंद्रीय घोषणा, दोनों मिलकर बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा को नई दिशा दे रहे हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 32,526 करोड़ रुपये का प्रावधान, जयपुर में 500 बेड का आईपीडी टावर और आरयूएचएस में 200 बेड की बाल चिकित्सा सुविधा जैसे कदम गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की ओर संकेत करते हैं। केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों से चिकित्सा अवसंरचना में सुधार का सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है। राज्य में राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना और ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटरों के माध्यम से पारदर्शी भर्ती प्रणाली युवाओं के विश्वास को मजबूत करती है। पांच वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियों के लक्ष्य की दिशा में 1 लाख से अधिक नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.54 लाख पदों पर प्रक्रिया जारी है। केंद्र की स्किल डेवलपमेंट और स्टार्ट-अप योजनाएं राज्य की भर्ती और कौशल पहलों के साथ मिलकर युवाओं को अवसरों का व्यापक दायरा प्रदान कर रही हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को उत्पादक पूंजी में बदलने का प्रयास है। स्वयं सहायता समूहों की ऋण सीमा 1 करोड़ रुपये तक बढ़ाना और लखपति दीदी योजना में ऋण विस्तार महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल और महिला उद्यमिता योजनाएं सामाजिक सुरक्षा और सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन रही हैं। डबल इंजन मॉडल में सामाजिक न्याय और आर्थिक अवसर साथ-साथ चल रहे हैं।

राजस्थान की पहचान पर्यटन और विरासत से जुड़ी है। 2047 तक पर्यटन के जीडीपी योगदान को 10 प्रतिशत तक ले जाने का राष्ट्रीय लक्ष्य और राज्य स्तर पर जैसलमेर के ख़ुड़ी में अल्ट्रा लग्जरी टूरिज्म जोन तथा शेखावाटी की हवेलियों के पुनरुद्धार के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान पर्यटन को राजस्व के साथ रोजगार सृजन का माध्यम बना रहे हैं। डिजिटल नॉलेज ग्रिड, गाइड प्रशिक्षण और इको-टूरिज्म पहलें राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत स्थान दिला सकती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। प्रशासनिक अनुभव, वित्तीय अनुशासन और क्रियान्वयन पर जोर ने बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में गति दी है। राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन तथा आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर विचार से स्पष्ट है कि सरकार प्रशासनिक तंत्र को विकास का सहभागी मानती है।

राजस्थान में डबल इंजन सरकार का मॉडल यह प्रमाणित कर रहा है कि जब केंद्र और राज्य की नीतियां एक-दूसरे के पूरक बनती हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग और तेज विकास संभव होता है। केंद्रीय बजट से बढ़े संसाधन, राज्य बजट की संरचनात्मक प्राथमिकताएं, पूंजीगत निवेश में वृद्धि, मानव संसाधन पर फोकस और दीर्घकालिक विजन मिलकर राजस्थान को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं।

-राजेंद्र गहलोत, सदस्य राज्यसभा

आदिकाल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्य

डॉ. जे.के. गर्ग

हम सभी आत्म चिंतन करें जब शिवजी के परिवार में विरोधी स्वभाव के प्राणी भी प्रेमपूर्वक साथ साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो क्यों नहीं हम हमारे समाज एवं देश में बिना किसी भेदभाव के गिरे हुओं को, पिछड़े हुओं को, विभिन्न धर्मों के अनुयायियों को साथ लेकर चल सकते हैं? यह भी सत्य कि कुछ धर्मांध स्वार्थी पथभ्रष्ट तथाकथित धार्मिक मनुष्य मौका मिलने पर अपने निज स्वार्थ के खातिर समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने के अंदर शामिल हो जाते है। शिव रात्रि के पावन पर्व हम सभी सनातन धर्मी भारत वाशी संकल्प लें कि हम समाज के विभिन्न धर्मालंबी लोगों के साथ मिलजुल कर रहेंगे एक-दूसरे का सम्मान करके प्रेम पूर्ण समंध बनायेगें। समाज के अंदर ऊँच-नीच का भेदभाव मिटाने के लिये काम करेंगे। आदि काल के सर्वश्रेष्ठ मेनेजमेंट गुरु भोलेनाथ अपने परिवार के अंदर निवास करने वाले विपरीत स्वभाव वाले प्राणी बिच्छू, बैल और सिंह, मयूर एवं सर्प और चूहा जैसे घोर विरोधी स्वभाव के प्राणियों के साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो हम विभिन्न धर्मों के अनुयायियों हिदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, फ़ारसी, जैन देश वासियों को साथ लेकर क्यों नहीं जीवन व्यापन कर सकते हैं? सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा-आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिल-जुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवार की भार्ती रहेंगे। ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय,ॐ नमः शिवाय।

भोलेनाथ जितने रहस्यमयी हैं उतनी ही उनकी वेश-भूषा भी अनूठी ही है, इसी के साथ भोले शंकर से जुड़े तथ्य भी उतने ही विचित्र और अनोखे हैं। भोलेनाथ शिव जी श्मशान में निवास करते हैं, भोलेनाथ गले में नाग धारण करते हैं, भांग व धतूरा ग्रहण करते हैं। सनातन धर्मी फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी यानी 15 फरवरी 2026 को शिवरात्रि धूमधाम से मनाएंगे। जनसाधारण के मन में सवाल उत्पन्न होता है कि क्यों फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है? धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा माना जाता है कि सृष्टि की रचना इसी दिन हुई थी। मध्य रात्रि में भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन चतुर्दशी की अद्धर्रात्रि में भगवान शंकर लिंग के रूप में अवतरित हुए। चतुर्दशी तिथि के महानिशीथ काल में महेश्वर के निराकार ब्रह्म स्वरूप प्रतीक शिवलिंग का अविभार्व होने से भी यह तिथि महाशिवरात्रि के नाम से जानी जाती है। इसी दिन, भगवान विष्णु व ब्रह्मा के समक्ष सबसे पहले शिव का अत्यंत प्रकाशवान स्वरूप प्रकट हुआ था। कहा जाता है कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और आदिशक्ति का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विष निकला था। भगवान शिव ने संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा के लिए स्वयं ही सारा विष पी लिया था। इससे उनका गला नीला पड़ गया और तभी से शिवजी को नीलकंठ के नाम से जाना जाता है। भोले नाथ को सांसारिक होते हुये भी श्मशान का निवासी बोला जाता है इसके पीछे भी लाइफ मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।

जानिये कैसे? सच्चाई तो यही है कि संसार मोह-माया का प्रतीक है वहीं दूसरी तरफ श्मशान वैराग्य का प्रतीक है। प्रभु शिव कहते हैं कि आदमी को संसार में रहते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने चाहिए वहीं साथ साथ मोह-माया से दूर भी रहना चाहिये। क्योंकि शरीर और संसार दोनों ही नाशवान है। एक न एक दिन यह सब कुछ नष्ट होने वाला है। इसलिए संसार में रहते हुए भी आदमी को किसी से मोह नहीं रखते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ साथ एक बैरागी की तरह जीना चाहिये।

मन के अंदर सवाल उठता है कि शिवलिंग मंदिरों में बाहर क्यों होता है? निःसंदेह भोले नाथ जन साधारण के देवता हैं, इसीलिए भोलेनाथ वहां रहते हैं जहाँ छोटे-बड़े, जवान-बुजुर्ग आसानी से पहुंच सके। इसी मान्यता के कारण शिवलिंग को मन्दिरों में बाहर ही स्थापित किया जाता है जिससे बच्चे-बूढे-जवान जो भी जाए शिवलिंग को छूकर, गले मिल कर या फिर भगवान् के पैरों में पड़कर अपना दुखड़ा सुना कर हल्के हो सकते हैं। इसी वजह से शिवजी अकेले ही वो देव हैं जो गर्भ गृह में भक्तों को दूर से ही दर्शन देते हैं। शिवजी को भोग लगाने और अर्पण करने के लिए कुछ भी नहीं हो तो भक्त उन्हें पत्ता, फूल, या अंजलि भर के भोले नाथ को खुश कर सकता और उनकी पूजा-अर्चना कर सकता है।

निःसंदेह बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है और इसलिए शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना शिव की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाती है। बेलपत्र में तीन पत्तियां हैं जिसको लेकर कई तरह की धारणाएं विध्यमान हैं। बेलपत्र में तीन पत्तियों को त्रिदेव (सृजन, पालन और विनाश के देव ब्रह्मा, विष्णु और शिव) माना गया है तो कहीं सत्व, रज और तम गुण का परियाचक माना जाता है। ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं बेलपत्र में तीन पतियों को तीन आदि ध्वनियां जिनकी सम्मिलित गूंज से ऊं बनता है का प्रतीक माना गया है। बेलपत्र की इन तीन पत्तियों को महादेव त्रिनेत्र और भोलेनाथ के हथियार त्रिशूल का भी प्रतीक माना जाता है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से एक पौराणिक कथा भी जुड़ी हुयी है। समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो भगवान महादेव ने पूरी सृष्टि को बचाने के लिए ही इस विष को पीकर अपने कंठ में धारण कर लिया जिसके के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और उनका पूरा शरीर अत्यधिक गर्म हो गया जिसकी वजह से आसपास का वातावरण भी जलने लगा। शिवलिंग पर हमेशा तीन पत्तियों वाला ही अर्पित करना चाहिये एवं बेलपत्र चढ़ाते समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना जरूरी है।

भोले नाथ को आक, धतूरा, भांग आदि शिव को चढ़ाने की जो परिपाटी है, उसके पीछे यही तथ्य छिपा है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति के अंदर अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं, इन नशीले और विषाक्त पदार्थों को शिव को अर्पित करने का अर्थ हुआ उनके दूवारा शिव-शुभ (औषधीय गुण) को स्वीकार करना किन्तु उनकी अशुभ-व्यसन प्रवर्ती का त्याग कर देना। लाइफ मैनेजमेंट के अनुसार, भगवान शिव को भांग धतूरा चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित करना। यानी अगर आप किसी प्रकार का नशा करते हैं तो इसे भगवान को अर्पित करे दें और भविष्य में कभी भी नशीले पदार्थों का सेवन न करने का संकल्प लें। ऐसा करने से भगवान की कृपा आप पर बनी रहेगी और जीवन सुखमय होगा।

शिवरात्रि व्रत मनाने का अधिकार ब्राह्मण से लेकर चंडाल तक सभी को है। भोले बाबा के लिए सब एक समान हैं। भगवान शिव महायोगी भी कहलाते हैं, उन्होंने योग साधना के द्वारा अपने जीवन को पवित्र किया है, वे असीमित गुणों के अक्षय भंडार हैं।

जहाँ बैल को खामोश एवं उत्तम चरित्र समर्पण भाव वाला बताया गया है, वहीं दुसरी तरफ बैल बल और शक्ति का भी प्रतीक है।जिस तरह गायों में कामधेनु को श्रेष्ठ माना जाता है उसी प्रकार बैलों में नंदी श्रेष्ठ है। यही सभी कारण रहे हैं जिसके कारण भगवान शिव ने बैल को अपना वाहन बनाया। पौराणिक कथा अनुसार शिलाद ऋषि ने शिव की तपस्या के बाद नंदी को पुत्र रूप में पाया था। नंदी को उन्होंने वेद आदि समस्त ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य संत पधारे और नंदी ने पिता की आज्ञा से उनकी खुब सेवा की जब वे जाने लगे तो उन्होंने ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं। तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? तब संतों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने भांप कर पूछा-'क्या बात है?' तो पिता ने कहा कि-'तुम्हारी अल्पायु के बारे में संत कह गए हैं इसीलिए चिंतित हूं।' यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि 'आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।' इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा 'वरदान मांगों वत्स।' तब नंदी के कहा कि 'मैं जिंदगी भर आपके ही सानिध्य में रहना चाहता हूं।' नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उसको अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिल जुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवार की भार्ती रहगें। ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय,ॐ नमः शिवाय।

-डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

राशिफल रविवार 15 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सायं 7:48 तक, व्यतिपात योग रात्रि 2:47 तक, वणिज करण सायं 5:05 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:48 तक है। भद्रा सायं 5:05 से आरम्भ होगी। आज महा शिवरात्रि व्रत, व्यतिपात पुण्यं, कृत्ति वासेश्वर दर्शन और पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:31 से 9:54 तक, लाभ-अमृत 9:54 से 12:41 तक, शुभ 2:04 से 3:28 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज नये-पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 289 प्रभात चूरू, रविवार 15 फरवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका व यूरोप के बीच कुछ मेल मिलाप की स्थिति बनी?

अमेरिका के ''सेक्रेटरी ऑफ स्टेट'' (विदेश मंत्री) मार्क रूबियो के वक्तव्य से उन रिश्तों में कुछ मिठास लौटी

- लगभग एक साल से यूरोप व अमेरिका के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई, जब से अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि अब समय आ गया है कि यूरोप अपनी सुरक्षा की स्वयं ही जिम्मेवारी संभाले। उपराष्ट्रपति वैंस ने यह भी कहा था कि अमेरिका अब यूरोप की सुरक्षा का खर्चा नहीं उठायेगा।
- मार्क रूबियो ने उपराष्ट्रपति की टिप्पणी को काटा तो नहीं, पर, बड़े मीठे शब्दों में कहा कि अमेरिका यूरोप की ''संतान'' है। अमेरिका बिना यूरोप के कुछ भी नहीं। अमेरिका का केवल ढाई सौ साल पुराना इतिहास है, न ही पुराना साहित्य और न ही यूरोप जैसा आर्किटैक्चर (स्थापत्य कला) की पृष्ठभूमि है।
- ट्रंप की ग्रीनलैंड को अधिग्रहित करने की स्कीम ने भी यूरोपीय देशों को निद्रा से जगा दिया और यूरोपीय देशों को आपस में व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रेरणा को और मजबूती मिली ''रूसो फोबिया'' (रूस से भयभीत होने की आदत) से।
- मार्क रूबियो के ठंडे ''छीटों'' से यूरोप ने कुछ आराम तो महसूस किया, पर, अमेरिका व यूरोप के मौलिक मतभेद फिर भी बरकरार हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फ़रवरी। वार्षिक म्यूनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) जो दुनिया का सबसे प्रभावशाली और ताकतवर सुरक्षा मंच बन चुका है, में अमेरिका और यूरोप जैसे सहयोगियों के बीच रिश्तों में कुछ नरमी देखने को मिली।

पिछले साल के सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने यूरोप के नेताओं को चौंका दिया था। उन्होंने यूरोप की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में उसकी पूरी तरह नाकामी की कड़ी आलोचना की थी। वेंस ने यह भी कहा था कि यूरोप अपनी सोच और नीतियों के कारण सभ्यता के मिटने के करीब पहुंच गया है।

वेंस के भाषण के बाद, एक साल तक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे करीबी सहयोगी रहे यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में दूरी बढ़ने लगी थी। अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि वे अब यूरोप की सुरक्षा का पूरा खर्च नहीं उठाएगा।

इस साल के सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने ज्यादा नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप एक साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि अमेरिका, यूरोप की ही संतान है। पिछले साल वेंस की कड़ी आलोचना के बाद रुबियो का भाषण यूरोपीय देशों के लिए राहत देने वाला रहा।

संभवत: वैलेंटाइन डे के मौके पर रुबियो उस महाद्वीप को नाराज नहीं करना चाहते थे जिसे कभी अमेरिका का ''मातृ देश'' कहा जाता था। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप को अपने मूल मूल्यों और सभ्यतागत जुड़ाव को फिर से मजबूत करना चाहिए, जिसने दोनों को साथ जोड़ा था।

आखिर यूरोप के बिना अमेरिका क्या है, उसका इतिहास 250 साल से ज्यादा पुराना नहीं है, उसके पास यूरोप जैसी साहित्यिक परंपरा नहीं है और न ही यूरोप जैसी वास्तुकला, संगीत या युद्धों का इतिहास है।

कुल मिलाकर, मार्क रुबियो ने यूरोपीय उदारवादी देशों और अमेरिका के बीच सोच के बुनियादी अंतर को बनाए रखा। इन यूरोपीय देशों का प्रतिनिधित्व फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज जैसे नेता करते हैं।

अमेरिकी मूल्यों में ईसाई धर्म और यूरोप की विरासत को बचाने के लिए इमिग्रेशन पर अंकुश लगाना शामिल है। ये विचार भले ही अभिजात्य वर्ग से दूर हों, पर दक्षिणपंथियों के अनुकूल हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'पिच से ज्यादा तनाव पिच के बाहर होता है'

- पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर गोल-मोल जवाब दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर बेहद चतुराई से जवाब दिया।

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से पहले का माहौल हमेशा की तरह बेहद रोमांचक है, लेकिन मैदान के बाहर तनाव अक्सर ज्यादा भारी महसूस होता है।

कोलंबो में इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से भरे हॉल में खड़े पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा आक्रामक से ज्यादा चिंतनशील नज़र आए। उन्होंने सिर्फ रणनीति की ही बात नहीं की, बल्कि क्रिकेट के उस सीधे, सरल दौर की वापसी की इच्छा जताई, जब दर्शकों का शोर खेल के लिए होता था, न कि भू-राजनीतिक परिस्थितियों के लिए।

जब उनसे पूछा गया कि यदि भारतीय खिलाड़ी आगे बढ़कर हाथ मिलाने की पहल करें तो क्या वे तैयार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'कट्टरपंथी हिंदुत्व व भारत में शेख हसीना की उपस्थिति से असहज है बांग्लादेश'

बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने एक इन्टरव्यू में भारत-बांग्लादेश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों में दो बाधाएं गिनाईं

- तारिक रहमान के अनुसार, शेख हसीना ने 1500 व्यक्तियों को मरवा कर, भारत में पनाह ली है।
- तारिक रहमान के अनुसार, पाकिस्तान में भी धार्मिक कट्टरपंथी विचार पनप रहे हैं, इन कट्टरपंथी सोच पर नियंत्रण रखने के लिए, भारत व बांग्लादेश में आपसी सहयोग व जानकारियां साझा करने की जरुरत है।
- भारत को यह ज्ञात होना चाहिए कि शेख हसीना व अवामी लीग का अब कोई अस्तित्व नहीं है बांग्लादेश में तथा अब बांग्लादेश स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना चाहता है। पिछले 15 वर्षों में बांग्लादेश की विदेश नीति पूर्णतया भारत की विदेश नीति का अनुसरण करती आई है पर अब बांग्लादेश एक संतुलित विदेश नीति अपनाना चाहता है।
- पर, विदेश नीति से ज्यादा भावी प्र.मंत्री की प्राथमिकता होगी बांग्लादेश को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना। इस ''डोमैस्टिक प्राथमिकता'' के पूर्ण होने पर बांग्लादेश के प्र.मंत्री, मोदी के निमंत्रण पर भारत आएंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। हाल ही में हुए चुनाव में भारी जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारत के सामने दो अहम चिंताएं उठाई हैं। पहला, दक्षिण एशिया में बढ़ते कट्टरपंथ और भारतीय समाज में हिंदू उग्रवाद तथा अतिदक्षिणपंथी असहिष्णुता का मुद्दा। दूसरा, दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से ठीक करना, जिसमें भारत को ''शेख हसीना जैसे आतंकी को रोकने की ज़रुरत को समझने की ज़रुरत बताई गई है, जिनपर 1500 या इससे ज्यादा लोगों की हत्या का आरोप है, और जो भागकर भारत आ गई हैं।

बीएनपी अध्यक्ष और संभावित बांग्लादेश प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने बढ़ते कट्टरपंथ के मुद्दे को सामान्य रूप में उठाया। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश में मौजूद उग्रवादी तत्वों का भी जिक्र किया, हालांकि उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इसका स्तर कम है। उन्होंने कहा, इसी कारण हमें आतंकवाद विरोधी सबूत और आकलन साझा करने तथा सहयोग मजबूत करने की ज़रुरत है। इस सोच में बदलाव लाने के लिए कबीर ने जिम्मेदारी भारत पर डालते हुए कहा कि ''भारत को समझना चाहिए कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

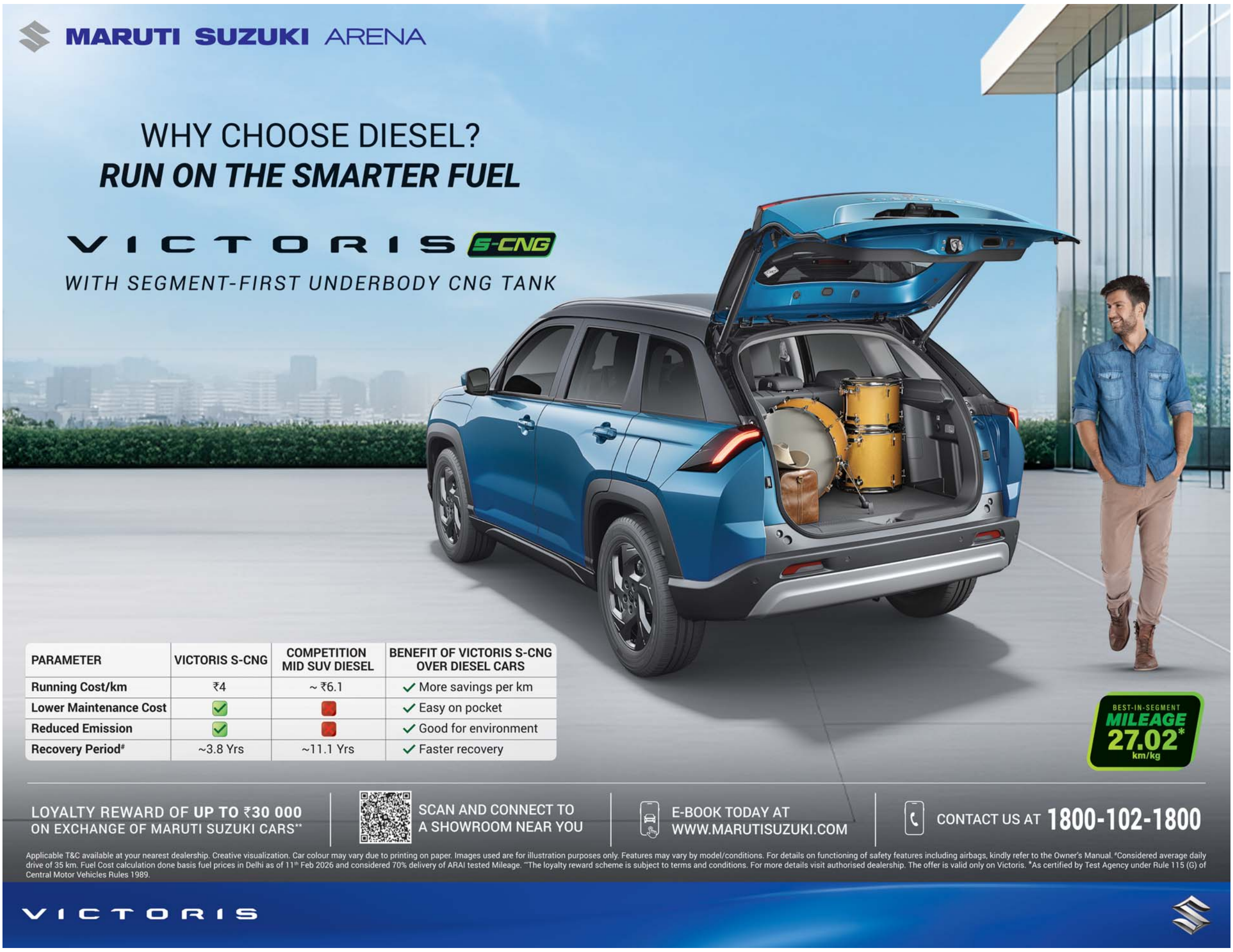

कोटा में आवारा श्वान ने मासूम बच्ची पर हमला कर कई जगह से काटा

नयापुरा इलाके में बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी आवारा श्वान ने हमला कर दिया

- डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे पर गहरे जख्म कर दिए
- इसके बाद आवारा श्वान बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और ले जाने की कोशिश की
- बालिका की चीखें सुनकर पड़ौसी और परिवार वाले दौड़े आए, बालिका की बुआ ने डॉग पर डंडे से वार किया तो डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया

कोटा, (निसं)। शहर में आवारा श्वान का आतंक एक बार फिर सामने आया है। शहर के नयापुरा इलाके में एक दो साल की मासूम बालिका पर स्ट्रीट डॉग ने हमला कर दिया। बालिका मिस्टी घर के बाहर लगे नल के पास पर खेल रही थी, तभी एक आवारा श्वान आया और उस पर टूट पड़ा। डॉग के हमले में बालिका गंभीर रूप घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है।

डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे पर गहरे जख्म कर दिए। इतना ही नहीं, डॉग बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और उसे ले जाने की कोशिश करने लगा। बालिका की चीखें सुनकर पड़ौसी और उसके परिवार वाले दौड़े आए। बालिका की बुआ ने दौड़कर डॉग पर डंडे से वार किया, जिसके बाद डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया।

बालिका के चाचा भावेश ने बताया कि घटना के तुरंत बाद बालिका को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि डॉग के हमले में उसके चेहरे, होंठ और जबड़े पर कई जगह गहरे कट लगे हैं। अब उसकी प्लास्टिक सर्जरी करानी होगी, जिसके लिए उसे निजी अस्पताल में दिखाया जा रहा है। भावेश ने बताया कि इलाके में आवारा डॉग्स की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। छोटे बच्चों का घर से बाहर निकलना अब मुश्किल हो गया है। गनीमत रही कि समय पर मासूम को बचा लिया गया वरना आवारा डॉग उसकी जान ले सकता था।

दो करोड़ के 6067 किलो अफीम के पौधे जब्त, दो जने गिरफ्तार

कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में सरसों के खेतों के बीच अफीम की खेती मिली

करौली/जयपुर। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के तहत करौली जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में छापेमारी कर 6067 किलोग्राम अवैध अफीम के हरे पौधे बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन पौधों की कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसपी सोनवाल ने बताया कि तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक शातिर तरीका अपनाया था। आरोपियों ने अपने खेतों में ऊँची और घनी सरसों की फसल बोई थी और उसके ठीक बीचों-बीच अफीम की अवैध खेती कर रखी थी ताकि किसी को शक न हो। मुखबिर की सटीक सूचना पर जब पुलिस टीम ने खेतों के भीतर प्रवेश किया, तो वहां अफीम के पौधों का जखीरा देखकर दंग रह गई। कैलादेवी थानाधिकारी राम अवतार मीना के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी चौरसिंह मीना (37) के खेत से 2955.400 किलो और मनकेश उर्फ पिन्टू मीना (32) के खेत से 3112.400 किलो अफीम के पौधे बरामद हुए। पुलिस ने 285 प्लास्टिक के कट्टों में इन पौधों को भरकर जब्त किया है। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी घनश्याम उर्फ घासू मीना की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने नए क्रिमिनल लॉ का पालन करते हुए ई-साक्ष्य ऐप का उपयोग किया। सर्च और जब्ती की पूरी वीडियोग्राफी क्लाउड पर अपलोड की गई ताकि साक्ष्यों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। मौके पर नायब तहसीलदार मुनीराम मीना और हल्का पटवारी को बुलाकर राजस्व रिकॉर्ड की पुष्टि भी की गई। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इन पौधों से अफीम निकालकर कहां सप्लाई की जानी थी और इस नेटवर्क के पीछे और कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं।

भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में इंजेक्शन से युवती की मौत

- परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर धरना शुरु किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के एक निजी अस्पताल में शनिवार को उस समय भारी तनाव व्याप्त हो गया, जब उपचार के दौरान एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत इंजेक्शन लगाने और इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में ही धरना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रेनवास निवासी रवीना (18) पुत्री भंवर बलाई को पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजनों द्वारा निजी अस्पताल लाया गया था। परिजनों का कहना है कि भर्ती किए जाने तक रवीना की स्थिति सामान्य थी, लेकिन उपचार के दौरान जैसे ही उसे एक इंजेक्शन लगाया गया, उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। कुछ ही मिनटों में युवती ने दम तोड़ दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही गांव से बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मृतका के आश्रितों को 50 लाख रुपये का उचित मुआवजा, संबंधित डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ मेडिकल लापरवाही का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने, अस्पताल की जांच कर लापरवाही सिद्ध होने पर उचित वैधानिक कदम उठाए जाने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अस्पताल परिसर में बढ़ते तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों द्वारा परिजनों को शांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल अस्पताल में माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और देर शाम तक तक शव उठाने को तैयार नहीं थे। अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज : उदयपुर में पीड़िता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी राकेश पुत्र वैसाराम के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 12 फरवरी को आरोपी मुझे अपहरण कर उसके घर ले गया। जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया तथा किसी को नहीं बताने की हिदायत देकर छोड़ दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच फलासिया थानाधिकारी सीताराम को सौंपी है।

कार्डियक अरेस्ट से हुई थी साध्वी प्रेम बाईसा की मौत, पुलिस ने 18वें दिन खुलासा किया

'साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है'

- जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई, इस स्थिति में लापरवाही सामने आई
- पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि 12 फरवरी को मिली एफएसएल रिपोर्ट और हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि मौत कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई थी

जोधपुर, (कासं)। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने यह खुलासा शनिवार शाम किया है। पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि मेडिकल बोर्ड की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार साध्वी की मौत का मुख्य कारण फेफड़ों की गंभीर बीमारी के चलते आया हार्ट अटैक (कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट) था। हालांकि, जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई। इस स्थिति में लापरवाही सामने आई। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि 12 फरवरी को मिली एफएसएल रिपोर्ट और हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि मौत शॉक के कारण हुई, जो फेफड़ों की बीमारी के परिणामस्वरूप आए कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है। साथ ही किसी भी प्रकार के यौन अपराध या बाहरी व आंतरिक चोट के निशान भी शरीर पर नहीं मिले हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गठित एसआईटी ने इस मामले में हर स्तर पर साक्ष्य जुटाए हैं। उन्होंने बताया कि जांच दल ने अब तक 44 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। साथ ही 106 लोगों की कॉल डिटेल और सोशल मीडिया एक्टिविटी का विश्लेषण किया गया है। साध्वी की मेडिकल हिस्ट्री खंगाली गई, जिसमें वे किन डॉक्टरों के संपर्क में थी और पूर्व में कौन सी दवाइयां ले रही थी, इसका पूरा ब्योरा जुटाया गया है। घटनाक्रम की सटीक टाइमलाइन तैयार करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और उस दौरान मिलने वाले लोगों के बयानों का सहारा लिया गया है। जांच में सबसे गंभीर तथ्य कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से दिए गए इंजेक्शन को लेकर सामने आया है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के बोरानाडा इलाके में आरती नगर स्थित आश्रम में 28 जनवरी को साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत बिगड़ी थी। तब उन्हें जुकाम होने और सांस लेने में परेशानी होना बताया गया था। तब इलाज के लिए कंपाउंडर देवीलाल सिंह को बुलाया गया था। कंपाउंडर देवीसिंह ने दो इंजेक्शन लगाए थे। इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद उनकी तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई थी। परिजन उन्हें लेकर पाल रोड स्थित प्रेक्षा हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया था। साध्वी के पिता वीरमनाथ हॉस्पिटल से शव को आरती नगर स्थित आश्रम ले आए थे। पुलिस की दखल के बाद देर रात को शव एमजीएच मोर्चरी में रखवाया था। इसके अगले दिन 29 जनवरी को देर शाम एमजीएच हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया था। तीस जनवरी को बाड़मेर के परेऊ गांव में साध्वी प्रेम बाईसा को समाधि दी गई थी। दो फरवरी को विसरा सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। 11 दिन में एफएसएल जांच पूरी हुई। इसके बाद रिपोर्ट गुरुवार को जोधपुर पुलिस को सौंप दी गई। पुलिस ने एफएसएल जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर विशेषज्ञों से भी राय ली।

नागौर में अवैध खनन पर कार्रवाई, दस करोड़ के वाहन व मशीनें जब्त

खींवसर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया

जयपुर/नागौर। अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में चल रहे माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में खींवसर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रेमनगर की सरहद से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त कर खनन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया।

एसपी कच्छावा ने बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी तो वहां अवैध खनन का बड़ा खेल चल रहा था। पुलिस ने मौके से पहाड़ों का सीना चीरने वाली चार विशालकाय चैन माउंटेड एलएनटी पोकलेन मशीनें, तीन जेसीबी, चार भारी भरकम डम्पर और तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा माफियाओं द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली एक स्कॉर्पियो और एक मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त किया है। 16 वाहनों को भारी जाप्ते के साथ थाने लाकर खड़ा किया गया है। वहीं पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी न केवल नागौर, बल्कि जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं, गिरफ्तार आरोपियों में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी शामिल हैं।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में खींवसर थानाधिकारी कन्हैयालाल और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार की टीम का विशेष योगदान रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी धरम पुनिया के सुपरविजन में टीम ने इतनी गोपनियता से दबिश दी कि माफियाओं को भागने का मौका तक नहीं मिला। एसपी कच्छावा ने साफ कर दिया है कि नागौर की धरती पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

14 लाख के गबन मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

- बैंक से 14 लाख से अधिक का गबन किया था, नोखा पुलिस ने पकड़ा

नोखा, (निसं)। पुलिस ने भारत फाइनेंशियल लिमिटेड बैंक से 14 लाख 28 हजार 797 रुपए के गबन के मामले में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डीडवाना से की गई। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि परिवादी मनीष यादव ने नोखा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि बैंक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को ऋण प्रदान करती है। बैंक के फील्ड ऑफिसर शक्ति सिंह, राकेश, मनीष यादव, कमल डेरू और दिनेश पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप है।

आरोप है कि इन अधिकारियों ने 72 महिलाओं को बड़ा ऋण पास कराने का झांसा दिया। इसके बाद उन्होंने ऋण की राशि और किस्तों के पैसे सीधे महिलाओं से ले लिए, लेकिन उन्हें बैंक में जमा नहीं कराया। सत्यापन के बाद इन लोगों पर 14,28,797 रुपए के गबन का आरोप लगा। इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नागौर जिले के दागड़ी खेरवा निवासी शक्ति सिंह और डीडवाना कुचामन जिले के बंधा पायतान, खिंचिया बासनी निवासी राकेश शामिल हैं। आरोपियों से पूछताछ और आगे की जांच जारी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तनसुखराम, कॉन्स्टेबल सतीश कुमार और कॉन्स्टेबल खुशराज शामिल थे।

आरटीई की नई गाइडलाइन जारी, चार क्लासों में फ्री एडमिशन होगा

- 20 फरवरी से आवेदन शुरू होंगे, 6 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी

बीकानेर, (निसं)। यहां प्राइवेट स्कूलों में पहली बार नर्सरी से लेकर पहली क्लास तक यानी 4 क्लासों में राइट टू एजुकेशन के तहत एडमिशन हो पाएगा। इसके लिए 20 फरवरी से आवेदन शुरू हो जाएंगे, जबकि 6 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय ने इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि इस बार नर्सरी से पहली क्लास तक यानी कुल 4 क्लास में आरटीई से फ्री एडमिशन दिया जाएगा।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय की सहायक निदेशक और आरटीई एडमिशन प्रभारी चंद्र किरण पंवार ने बताया कि नर्सरी क्लास में 3 से 4 साल तक और फर्स्ट क्लास में 6 से 7 साल तक के स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया जा रहा है। नर्सरी और पहली क्लास में ही एडमिशन हो पाता था। पेरेंट्स या तो नर्सरी या फिर पहली क्लास के लिए ही आवेदन कर सकते थे। इस बार शिक्षा विभाग ने इसमें बदलाव करते हुए चार क्लासों को जोड़ा है। इसके तहत नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और पहली क्लास में एडमिशन हो पाएंगे। प्री प्राइमरी 3 प्लस यानी नर्सरी में 3 साल से अधिक और 4 साल से कम उम्र के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 4 प्लस यानी एलकेजी में 4 वर्ष से 5 वर्ष तक के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 5 प्लस यानी यूकेजी में 5 वर्ष से अधिक और 6 वर्ष से कम आयु के स्टूडेंट्स और फर्स्ट क्लास में 6 वर्ष से अधिक और 7 वर्ष से कम उम्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन मिल सकेगा। सभी प्राइवेट स्कूलों में पिछले 3 सालों में नर्सरी से फर्स्ट क्लास तक के एडमिशन की संख्या को देखा जाएगा। ये संख्या पहले से शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध है। इस संख्या के आधार पर एक एवरेज संख्या तय होगी। इसी संख्या की 25 प्रतिशत सीट पर फ्री एडमिशन दिया जाएगा। अगर इस संख्या के आधार पर एलकेजी में 10 सीट आती है और नर्सरी से प्रमोट होकर 8 स्टूडेंट्स आ गए हैं तो शेष 2 सीट पर एडमिशन होगा। इसी तरह यूकेजी में अगर कुल 10 सीट है और 5 सीट खाली है तो 5 पर एडमिशन होगा। ऐसा ही फॉर्मूला क्लास फर्स्ट के लिए रहेगा। कई बार नर्सरी में एडमिशन लेने के बाद स्टूडेंट्स एलकेजी या यूकेजी में स्कूल छोड़ देते हैं। ऐसे में प्राइवेट स्कूल इस खाली सीट पर फ्री एडमिशन नहीं दे पाते थे। अब ये खाली सीटें भर जाएगी, जिससे प्रदेश में फ्री एडमिशन पाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का "बाघ टी 2407" बन सकता है "बाघिन महक" का साथी

- प्रदेश की सबसे उम्रदराज बाघिन महक कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बीते डेढ़ साल से अकेली है
- रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से बाघ टी 2407 को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा

प्रदेश की सबसे उम्रदराज बाघिन महक।

कोटा, (निसं)। प्रदेश की सबसे उम्रदराज "बाघिन महक" कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बीते डेढ़ साल से अकेली है, जिसके लिए साथी ढूंढा जा रहा है। यह तलाश सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में आदमखोर हो चुके तीन वर्षीय "बाघ टी 2407" पर पूरी हुई है, जिसको कोटा लाए जाने पर सहमति बनी है। इसको लेकर नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) से अनुमति मांगी गई है। रणथम्भौर इस बाघ को देने के लिए तैयार है। अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क लेने के लिए तैयार है। दोनों के वाइल्डलाइफ वार्डन को इस संबंध में पत्र भी भेज दिया है। दोनों बाघ और बाघिन की जोड़ी बन सकती है, लेकिन ब्रीडिंग के चांस काफी कम है। यह केवल एक-दूसरे को संबल दे सकेंगे।

कोटा के उपवन संरक्षक वन्यजीव अनुराग भटनागर का कहना है कि केप्टिविटी में रखे हुए टाइगर टी 2407 के संबंध में जानकारी मिली थी। ऐसे में उन्होंने रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से इस टाइगर को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिख दिया है, जहां से एनटीसीए को पत्र भेजा गया है। एनटीसीए की परमिशन आ जाने के बाद इसे शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं रणथम्भौर टाइगर रिजर्व प्रबंधन भी इस टाइगर को शिफ्ट करने के लिए सहमत है। उन्होंने भी इस तरह का पत्र वाइल्डलाइफ वार्डन को भेजा हुआ है। इसके बाद 21 साल 5 माह की बाघिन का साथी युवा बाघ बन सकता है। अनुराग भटनागर का कहना है कि जब केप्टिविटी में टाइगर को रखना ही है तो उसे जू या बायोलॉजिकल पार्क में रखा जा सकता है। दूसरे वन्यजीव को उससे कोई परेशानी भी नहीं होगी। ऐसे में कोटा में जब बाघिन महक अकेली है तो उसको साथी भी मिल जाएगा।

अनुराग भटनागर का कहना है कि जंगल में रहने वाले बाघ की उम्र 12 से 14 साल के बीच ही रहती है जबकि केप्टिविटी में रहने वाले बाघ 16 से 18 साल तक जीते हैं, लेकिन 21 साल तक जीना, बेहतर सुविधा मिलना और अच्छा उपचार होना ही है। राजस्थान के बायोलॉजिकल पार्क और चिड़ियाघर में महक और उसकी बहन रंभा की अच्छी सेहत का राज भी यही है। उनका कहना है कि महक बीते डेढ़ साल से अकेली जरूर है, लेकिन वह पूरी तरह से मजबूत और पूरे एंक्लोजर में घूमती रहती है। वह एंक्लोजर के बाहरी एरिया में ही ज्यादा रहती है, जिससे पर्यटकों को नजर भी आती रहती है। इतनी उम्र होने के बाद भी वह अच्छी और लगभग फिट जैसी ही है। दरअसल साल 2004 में 28 अगस्त को बाघिन चंदा ने चार शावकों को जन्म दिया था। उसमें रंभा, महक, गौरी और रुद्र शामिल थे। इनमें केवल बाघिन महक ही जीवित है।

टाइगर मैन दौलत सिंह शक्तावत का कहना है कि आदमखोर होने के बावजूद भी टाइगर अपनी प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला नहीं करता है। रिजर्व में अपनी टेरिटरी को लेकर बाघों में झगड़ा जरूर होता है। इस संघर्ष में बाघों की जान चली जाती है लेकिन अधिकांश मामलों में फाइट होने के बाद कमजोर बाघ अपनी दूसरी टेरिटरी खोजने में जुट जाता है। अपनी ही प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला कैनिबलिज्म बोला जाता है। यह बहुत कम देखने को मिलता है, क्योंकि अधिकांश कार्निवोरस वाइल्ड एनिमल हरबिबोर का ही शिकार करते हैं। इसीलिए आदमखोर होने के बावजूद भी टाइगर टी 2407 बाघिन महक के साथ आसानी से रह सकता है।

शक्तावत का कहना है कि बाघिन अपने जीवनकाल में तीन से चार बार शावकों को जन्म दे सकती है। शावक को जन्म देने की उम्र 12 साल के आसपास रहती है। अमूमन 12 साल के बाद बाघिन के शावक होने की संभावना काफी कम रहती है। ऐसे में बाघिन महक को एकाकीपन में मदद मिलेगी। एकाकी जीने से लाइफ स्पान कम हो जाता है। जवानी में दिखाई नहीं देता है। हालांकि उम्र होने पर संबल की जरूरत होती है सोशल बॉन्डिंग बढ़ जाएगी। केप्टिविटी यानी जू व बायोलॉजिकल पार्क में रहने वाले वन्य जीव के लिए प्रे (शिकार या भोजन) की व्यवस्था राज्य सरकार करती है और इन्हें पर्यटकों से होने वाली आमदनी के अलावा राज्य सरकार से जारी होने वाले बजट के जरिए प्रे उपलब्ध करवाया जाता है। जबकि खुले जंगल में या रिजर्व में रहने वाले वन्य जीव को स्वयं प्रे की व्यवस्था करनी होती है। उनके लिए ऐसा कोई बजट नहीं होता है। ऐसे में रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में वर्तमान में टाइगर टी 2407 को केप्टिविटी में रखा गया है। बीते कई महीने से वह कैद में है, इसलिए उसके प्रे की व्यवस्था करना रिजर्व प्रबंधन की जिम्मेदारी हो गई है। इसमें काफी समस्या का सामना भी उन्हें करना पड़ रहा है। इसी के चलते उन्होंने इसे जून में शिफ्ट करने के लिए भी पत्र लिखा है।

वन विभाग टीम पर हमला, रेंजर घायल

उदयपुर, (निसं)। वन विभाग भूमि से अतिक्रमण हटाने पर रेंजर व साथी कर्मचारियों पर अतिक्रमियों ने हमला कर दिया। हमले में रेंजर घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जिले के पानरवा वन विभाग रेंज के रेंजर राजेश कुमार पुत्र शांतिलाल परमार निवासी सतीरामपुर सदर डूंगरपुर ने जूनीपादर निवासी मीठा पुत्र भोमा गमार, होलिया पुत्र भेमा, थावरा पुत्र अन्ना निवासी माण्डवा सहित अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि गत दिनों पानवा वन रेंज में आरोपियों द्वारा कब्जा करने की सूचना मिली थी। इस पर 12 फरवरी को वन विभाग अधिकारी एवं पुलिस जाब्ता ने अतिक्रमण हटाया था। इससे आक्रोशित आरोपियों ने हमला कर दिया था।

दुष्कर्म के मुख्य आरोपी सहित सहयोगी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की पुलिस टीम ने नाबालिग से दुष्कर्म के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि एक 14 वर्षीय नाबालिग पीड़िता ने थाने में 12 फरवरी को प्रार्थना पत्र दिया। शिकायत में कहा कि दिलसान नाम के युवक ने अप्रेल 2025 में उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को घटना के बारे में नहीं बताने को लेकर धमकी दी। शिकायत में कहा कि 12 फरवरी को जब वह उसके चाचा के घर पर थी तो दिलसान ने फोन करके उसको बुलाया और दिलसान के साथ उसका मित्र शाहरूख भी मौजूद था। दिलसान ने उसके साथ दुबारा गलत काम किया और उसका मित्र शाहरूख दूर खड़े होकर निगरानी कर रहा था। ग्रामीण एसपी ने कहा कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई, गठित टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों पर 5-5 हजार रूपये की इनाम राशि घोषित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दिलसान को बोरखेड़ा कोटा से डिटेन किया एवं उसके सहयोगी आरोपी शाहरूख को डिटेन कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

विंग कमांडर के घर लाखों की चोरी

जोधपुर, (कासं)। एयरफोर्स एरिया में रहने वाले विंग कमाण्डर के घर से लाखों के आभूषण चोरी हो गए। इसमें उनकी तरफ से अपनी नौकरानी पर संदेह जाहिर करते हुए रिपोर्ट दी गई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज किया है, अग्रिम जांच की जा रही है। घटना 11-12 फरवरी के बीच की है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली के रोहिणी स्थित आकाश गंगा अपार्टमेंट हाल बाड़मेर एयरफोर्स स्टेशन में तैनात विंग कमाण्डर परिवेला तेजोधर का एक मकान यहां एयरफोर्स स्टेशन में आया हुआ है। दो तीन दिन पहले उन्होंने अपने घर में सूटकेस में पांच डायमंड रिंग, एक सोने की चेन, ब्रासलेट, पेडेंट व अन्य छोटे सोने के आभूषण रखे थे। बाद में वह सूटकेस को लॉक करना भूल गए। घटना के समय घर की नौकरानी वहीं पर मौजूद थी। शुक्रवार को जब सूटकेस संभाला तब आभूषण उसमें नहीं मिले। नौकरानी से भी पूछताछ की गई, मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। इस पर उन्होंने एयरपोर्ट थाने में इसकी रिपोर्ट दी। फिलहाल प्रकरण दर्ज किया गया है।

डोडा-चूरा सहित आरोपी को पकड़ा : कोटा में सुल्तानपुर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा- चूरा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी अंकित कुडी ने मय जाब्ता इलाके में गश्त व चैकिंग के दौरान झोटोली रोड नर्सरी के पास एक जने पर संदेह होने पर उसे रोककर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया।

भारत की टीम मजबूत और संतुलित है, लेकिन मैच के दौरान धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी होगा। उन्होंने कहा,भारत यह मैच जीतेगा। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक जैसा अच्छा स्पिनर है, इसलिए उसे संभलकर खेलना होगा।

- हरभजन सिंह

पुर्व भारतीय खिलाड़ी भारत व पाक मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लोर्कन टकर

आयरलैंड के लिए कप्तान लोर्कन टकर ने 10 चौके और चार छक्के की मदद से 51 बॉल पर नाबाद 94 रन बनाए। टकर यदि 6 रन और बनाते, तो वो टी20 वर्ल्ड कप में शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बन जाते। लेकिन वो इतिहास रचने से चूक गए। जॉर्ज डॉकरेल ने पारी के आखिरी ओवर में टकर को दोबारा स्ट्राइक नहीं दिया और बड़े-बड़े शॉट्स लगाए। इसमुकाबले में आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बना डाले साथ ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप किसी टीम का ये उच्चतम स्कोर भी है। साथ ही आयरलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी दर्ज किया।

क्या आप जानते हैं ?... विल्ट चेम्बरलेन ने एक सीज़न में उच्चतम पीपीजी औसत (50.4), एक सीज़न में उच्चतम एमपीजी औसत (48.5) और एक ही गेम में सबसे अधिक अंक (100)

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मुकाबले

पहला मैच वेस्ट इंडीज व नेपाल सुबह 11 बजे

दूसरा मैच अमेरिका व नामीबिया दोपहर 3 बजे

तीसरा मैच भारत व पाकिस्तान शाम 7 बजे

साउथ अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत, न्यूजीलैंड की पहली हार

नई दिल्ली 15 फरवरी। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। जबकि न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। अफ्रीकी टीम ने 176 रन का टारगेट 17.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया।

डेविड मिलर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। जबकि ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। उन्होंने 44 बॉल की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मिलर ने नाबाद 24 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 21, रायन रिकेल्टन ने 21 और क्विंटन डी कॉक ने 20 रन का योगदान दिया। कीवियों की ओर से मार्क चापमन ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 32 और फिन एलन ने 31 रन का योगदान दिया। मार्क यानसन ने 4 विकेट झटके।

कुंबले-द्रविड़ के नाम पर दो स्टैंड्स होंगे

नई दिल्ली 15 फरवरी। बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के 50 साल इंटरनेशनल क्रिकेट के पूरे होने पर स्टेडियम के दो स्टैंड्स का नाम अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर रखा गया है। कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद की अगुवाई में आयोजित इस समारोह में कुंबले और द्रविड़ को भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर दोनों ही खिलाड़ी भावुक नजर आए और उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। अनिल कुंबले के लिए यह पल बेहद खास था। उन्होंने कहा,मैं पहली बार 9 साल की उम्र में एक दर्शक के तौर पर यहां मैच देखने आया था। आज इसी स्टेडियम के पवेलियन पर अपना नाम देखना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और मैं थोड़ा इमोशनल भी हूं। चिन्नास्वामी स्टेडियम का 50 साल का सफर दरअसल भारतीय क्रिकेट की ग्रोथ को भी दिखाता है।

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बना

नई दिल्ली 15 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप के 22वें मुकाबले में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला टीम के लिए उलटा साबित हुआ।

आयरलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 235 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। लॉर्कन टकर (94) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान के लिए ओपनर आमिर कलीम ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 29 हॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 बॉल पर 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 3, मैथ्यू हम्फ्रीज और बैरी मैकार्थी ने 2-2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल को 1 विकेट मिला। आशीष ओडेदरा और हम्माद मिर्जा रन आउट हुए।

आयरलैंड के लिए कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने शानदार अर्धशतक जड़े। टकर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि डेलानी ने 30 गेंदों में 56 रन बनाए। वहीं जॉर्ज डॉकरेल ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के जड़ते हुए महज 9 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाकर पारी को धमाकेदार अंदाज में समाप्त किया।

'हैंडशेक विवाद पर भारत व पाक कप्तान ने दी प्रतिक्रियाएं'

एशिया कप में हाथ नहीं मिलाया था

नई दिल्ली 15 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से पहले शनिवार को कोलंबो में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हैंडशेक विवाद पर कहा- इसका जवाब हम कल मैदान पर देंगे। इसके बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी हैंडशेक को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर वे बोले- 24 घंटे इंतजार कीजिए, तब देखेंगे।

दरअसल पिछले साल हुए एशिया कप 2025 में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत सभी प्लेयर्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। सूर्यकुमार ने कहा था कि उनकी टीम पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाएगी। यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों के सम्मान में लिया गया था।

इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के समर्थन के तौर पर भी देखा गया था। दोनों टीमों के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला जाएगा।

आगा ने माना कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, इतिहास नहीं बदल सकते। रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन इस बार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा की फिटनेस पर भी सवाल हुआ।

वे पेट की दिक्कत के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे। आगा ने कहा, उम्मीद है अभिषेक कल खेलें। हम सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना चाहते हैं।

इंग्लैंड की दूसरी जीत, स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली 15 फरवरी। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए दिन के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर मैच अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। इससे पहले 8 फरवरी को टीम ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया था।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं, स्कॉटलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही। इससे पहले उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

बैटन ने नाबाद 63 रन की पारी खेली टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने 41 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। विल जैक्स 10 बॉल पर 16 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इनके अलावा जैकब बेथेल ने 32, सैम करन. ने 28, हैरी ब्रुक ने 4, जोस बटलर ने 3 और फिल सॉल्ट ने 2 रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैक्मुलेन, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी और माइकल लीस्क को 1-1 विकेट मिला।

राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया

जयपुर, 14 फरवरी। वड़ोदरा में खेली जा रही वीमेन सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया , टीम की जीत में संगीता कुमावत का शानदार शतक , सुमित्रा जाट का आल राउंडर प्रदर्शन व चंद्रज्योत्सना भाटी का अर्धशतक। राजस्थान - उत्तराखंड मैच (राजस्थान 27 रन से जीती)। राजस्थान पारी 258 / 6, टीम के लिए संगीता कुमावत 115 , चंद्रज्योत्सनाभाटी 68 , सुमित्रा जाट 22 , तनूजा वैषणव21 व डिंपल कँवर 21 रन। उत्तराखंडकी गेंदबाज अमीषा , रीना 2 - 2 विकेट। उत्तराखंड पारी 231 आल आउट टीम के लिए राघवी70 रन। राजस्थान की गेंदबाज सुमित्रा जाट 33 / 3 , संगीता कुमावत 15 / 2 , सुमन मीणा , सिद्धि शर्मा , शानू , रिंकू टांक, सोनल कलाल 1 - 1 विकेट । हरियाणा के लाहली में खेले जा रहे राजस्थान -हरियाणाअंडर 23 मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाजों से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। राजस्थान - हरियाणा मैच (दूसरे दिन का स्कोर) राजस्थान पहली पारी 215 आल आउट।

राजधानी

अवैध खनन कर रहे 9 माफिया गिरफ्तार, 10 करोड़ रुपए के 16 वाहन भी जब्त

नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे माफियाओं के साम्राज्य को तहस-नहस किया है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में खींवसर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रेमनगर की सरहद से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त कर खनन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया है।

- **पकड़े गए आरोपी नागौर, जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं।**

नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए 9 माफियाओं और उनके 16 वाहनों को जब्त किया।

एसपी कच्छावा ने बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी तो वहां अवैध खनन का बड़ा खेल चल रहा था। पुलिस ने मौके से पहाड़ों का सीना चीरने वाली 4 विशालकाय चैन माउंटेड एलएनटी पोकलेन मशीनें, 3 जेसीबी, 4 भारी भरकम डम्पर और 3 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा माफियाओं द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली 1 स्कॉर्पियो और 1 मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। कुल 16 वाहनों को भारी जाप्ते के साथ थाने लाकर खड़ा किया गया है।

पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त 9 आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी न केवल नागौर, बल्कि जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं, गिरफ्तार आरोपियों में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी शामिल हैं।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में खींवसर थानाधिकारी कन्हैयालाल और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार की टीम का विशेष योगदान रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी धरम पूनिया के सुपरविजन में टीम ने इतनी गोपनीयता से दबिश दी कि माफियाओं को भागने का मौका तक नहीं मिला।

एसपी कच्छावा ने साफ कर दिया है कि नागौर की धरती पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगो पर भी गाज गिर सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैं गिरिराज महाराज के परम भक्त : हेमामालिनी

'विकास के कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री शर्मा और राजस्थान सरकार हमेशा तैयार'

जयपुर (कासं)। मथुरा से सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गिरिराजजी के परमभक्त हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार की तरफ से परिक्रमा मार्ग के उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग का कुछ हिस्सा राजस्थान में आता है। परिक्रमा मार्ग में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जन सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। मालिनी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राजस्थान सरकार विकास के कार्यों में सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इनके सहयोग से परिक्रमा मार्ग में आने वाले कृष्णभक्तों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी। सांसद ने कहा कि परिक्रमा मार्ग में आने वाले गांवों तथा विभिन्न स्थानों का भी विकास किया जाएगा।

मथुरा से सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सीएम भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

'मजबूत न्याय प्रणाली के लिए मजबूत युवा वकीलों की जरूरत'

हाईकोर्ट ने प्रदेश के 28 साल तक के युवा वकीलों को बड़ी राहत दी है, जिनकी वकालत को अभी 5 साल की अवधि पूरी नहीं हुई है

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के 28 साल तक के उन युवा वकीलों को बड़ी राहत दी है, जिनकी वकालत को अभी पांच साल की अवधि पूरी नहीं हुई है।

अदालत ने प्रदेश की बार एसोसिएशन्स को कहा है कि वे ऐसे युवा वकीलों के लिए राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम तैयार करे। इसके तहत सभी जिलों के लिए एक खरीद समिति का गठन किया जाएगा, जो जूनियर वकीलों को कानून की पुस्तकों की खरीद के लिए एकमुश्त पांच हजार रुपए की सहायता देगी। राशि लेने के एक माह के भीतर वकील को पुस्तकों का बिल पेश करना होगा। यदि वह पुस्तकें नहीं खरीद पाता है तो उसे दी गई राशि वापस ली जाएगी। वहीं यदि वह इस राशि का उपयोग दूसरे काम में करता है तो यह राशि 12 फीसदी ब्याज सहित वसूली जाएगी। इसके अलावा संबंधित प्राधिकारी को इस योजना के तहत सहायता लेने वाले वकील की ओर से बनाई लाइब्रेरी का निरीक्षण करने का भी अधिकार होगा। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश मीना शर्मा व अन्य की मोटर दुर्घटना अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को कहा है कि वह जूनियर एडवोकेट्स वेलफेयर फंड के नाम से बैंक में खाता खोले और पात्र युवा वकीलों की सूची तैयार किया।

- **अदालत ने प्रदेश की बार एसोसिएशन्स को कहा है कि वे ऐसे युवा वकीलों के लिए राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम तैयार करे। इसके तहत सभी जिलों के लिए एक खरीद समिति का गठन किया जाएगा, जो जूनियर वकीलों को कानून की पुस्तकों की खरीद के लिए एकमुश्त 5000 रुपए की सहायता देगी**
- **यह राशि लेने के 1 माह के भीतर वकील को पुस्तकों का बिल पेश करना होगा। यदि वह पुस्तकें नहीं खरीद पाता है तो उसे दी गई राशि वापस ली जाएगी। अगर यह पैसा दूसरे काम में लिया गया तो 12 फीसदी ब्याज समेत राशि वसूली जाएगी।**

युवतियों से मारपीट पर हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ डेढ़ माह बाद मामला दर्ज

जयपुर । विद्यायकपुरी थाना इलाके में गत दिसम्बर 2025 को दो युवतियों के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस वीडियों वायरल होने के बाद प्रसज्ञान लेते हुए हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। एएसआई बाबूलाल ने बताया कि मालवीय नगर थाने के हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी ने दो युवतियों से मारपीट की थी। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद कॉन्स्टेबल रामपाल ने मामला दर्ज कराया। हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी के खिलाफ पहले से ही 37 से ज्यादा मामले दर्ज है। वीडियो में हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी दो युवतियों को कार के खींचकर बाहर निकालता है। वह लात घूंसे से दोनों युवतियों से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में कुछ लोग बीच बचाव करते हुए दिखाई दे रहे है। थानाधिकारी नरेंद्र भडाना ने बताया की 26 दिसंबर 2025 की रात करीब 1 बजे विधायकपुरी थाना पुलिस की चेतक को सूचना मिली कि एक युवक दो युवतियों से मारपीट कर उनका गला दबा रहा है। सूचना पर मौके थाने की चेतक जगन पथ, चौमूं हाउस स्थित होटल शिव महिमा के पास पहुंची। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। वीडियों वायरल होने के बाद पुलिस कंट्रोल रुम ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा। जिसके बाद पुलिस ने 12 फरवरी 2026 को मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरु की। पुलिस जांच के दौरान दो और वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में दोनों लड़कियां होटल के बाहर खड़े होकर उसे गाली-गलौज कर रही है। दूसरे वीडियो में वह एक लडकी के साथ होटल के अंदर जा रहा है। होटल मैनेजमेंट से पूछताछ में पता चला कि वे होटल में कमरा लेने आए थे, लेकिन कमरे फुल होने के कारण उन्होंने मना कर दिया था। पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर मनीष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच -पड़ताल शुरु कर दी है।

- **आरोपी हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी के खिलाफ 37 से ज्यादा मामले दर्ज हैं**

उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे में चयनित अभ्यर्थी को अपात्र घोषित करने पर मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पटवारी भर्ती-2025 में उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे में चयनित अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित करने पर प्रमुख राजस्व सचिव और राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार सहित कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश आदित्य सारस्वत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती को याचिका के अंतिम निर्णयाधीन रखा है। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने उत्कृष्ट खिलाडी कोटे के तहत आवेदन कर लिखित परीक्षा पास की थी। इस पर याचिकाकर्ता को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया। याचिका में कहा गया कि दस्तावेज सत्यापन के बाद उसे यह कहते हुए भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया कि उसकी ओर से जिस प्रतियोगिता में भाग लेकर उसका खेल प्रमाण पत्र पेश किया है, वह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता नहीं है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने फेडरेशन कप टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में राष्ट्रीय लेवल पर भाग लिया था।

सार-समाचार

रंगदारी वसूलने वाले 'टाइगर गैंग' के सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

पाटन (निसं)। स्थानीय पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में रंगदारी वसूली करने वाले कुख्यात 'टाइगर गैंग' के सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के खनन व्यवसायियों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली है।पाटन थानाधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि क्षेत्र में सूचना मिल रही थी कि इंद्राज उर्फ टाइगर गैंग के सदस्य नीम का थाना व उदयपुरवाटी के आसपास संचालित क्रेशर व खान मालिकों तथा व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी के रूप में मोटी रकम वसूल रहे थे। रकम नहीं देने पर आरोपितों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जाती थी। जांच में सामने आया कि गैंग के सदस्य संगठित रूप से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे और भय का माहौल बनाकर अवैध वसूली का प्रयास कर रहे थे। आरोपितों के विरुद्ध विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मुख्य आरोपी इंद्राज के खिलाफ पाटन थाना सहित अन्य थानों में कुल 13 प्रकरण दर्ज हैं, जबकि अशोक कुमार के विरुद्ध पाटन सहित 15 प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। गैंग के सदस्य किशनलाल के खिलाफ पाटन सहित तीन मामले दर्ज हैं तथा ओमप्रकाश के विरुद्ध भी तीन प्रकरण दर्ज होकर ट्रायल जारी है।पुलिस के अनुसार आरोपितों के डर के कारण आमजन व पीड़ित गवाही देने से कतराते रहे हैं, जिससे इनके हौसले बुलंद होते गए। पुलिस ने बताया कि संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।पाटन पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में संगठित अपराध के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

श्रद्धानाथ आश्रम में होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आज

लक्ष्मणगढ़, (निसं)। शेखावाटी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसियेशन चूरू एवं विशाल सिंहजी शेखावत निहाल कंवर सा मेमोरियल ट्रस्ट कुमास/चूरू के संयुक्त तत्वावधान में लक्ष्मणगढ स्थित श्रद्धानाथ आश्रम में एक दिवसीय नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर कल रविवार 15 फरवरी (महाशिवरात्रि) को लगेगा। ब्रह्मलीन सिद्ध संत श्रद्धानाथ जी महाराज के पुण्य स्मृतिमें पीठाधीश्वर पद्मश्री संत बैजनाथ जी महाराज के सानिध्य में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित होगा। आश्रम के प्रकाशनाथ महाराज के अनुसार शेखावाटी में होम्योपैथी के पुरोधा, अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अमरसिंह शेखावत के नेतृत्व में डॉ. बीएल गौड, डॉ. राजपाल मायल, डॉ. कौशल, डॉ. डीदास, डॉ. हर्षवद्र्धन शेखावत एवं उनकी टीम द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जायेगी। शिविर चिकित्सा प्रभारी एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ. अमरसिंह शेखावत ने बताया कि पथरी, गठिया, चर्म रोग, पाईल्स, टॉंसिल, फीसर, फिस्चुला, नासूर, एलर्जी-नजला, एग्जीमा, खाज-खुजली, सोरायसिस, बच्चे दानी की गांठ, ट्ययूमर, पित्ती, सफेद दाम, प्रोस्टेट, दमा (श्वास) आदि के अतिरिक्त स्त्री एवं बच्चों के रोगों की विशेष चिकित्सा व्यवस्था रहेगी। शिविर सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक रहेगा जिसमें रोगियों को जरूरत के अनुसार सभी दर्वाइंया नि:शुल्क प्रदान की जायेगी।

लोक अदालत आयोजित

पाटन (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति नीमकाथाना द्वारा एसबीआई बैंक की लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत में बैंक से संबंधित विभिन्न प्रकरणों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।लोक अदालत की बेंच में अध्यक्ष के रूप में राकेश कुमार, अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कार्यवाही का संचालन किया तथा सदस्य के रूप में श्रीमती शशीकला सैनिक उपस्थित रहीं। दोनों ने पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों के समाधान के लिए प्रेरित किया और शीघ्र न्याय के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक की ओर से राकेश कुमार जांगिड, उप प्रबंधक कमला मोदी ब्रांच तथा रामनिवास, उप प्रबंधक शाहपुरा रोड ब्रांच उपस्थित रहे। बैंक अधिकारियों ने लंबित ऋण प्रकरणों एवं अन्य मामलों में समझौते के माध्यम से समाधान के प्रयास किए।लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की लोक अदालतें आमजन को राहत प्रदान करने के साथ-साथ न्यायालयों में लंबित मामलों के भार को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मातृ- पितृ पूजन कार्यक्रम आयोाजित

नोहर, (निसं)। स्थानीय एंजल पब्लिक स्कूल में शनिवार को वैलेंटाइन डे के अवसर पर मातृ- पितृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के तहत बच्चों द्वारा अपने अभिभावकों का पूजन कर उनके प्रति कृतज्ञता और आदर का भाव प्रदर्शित किया गया। जिसके तहत बच्चों ने अभिभावकों की पूजा के साथ उनकी आरती उतारी और उनका मुंह मीठा करवाया। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्कूल की डायरेक्टर शशि कला माहेश्वरी ने बताया की कार्यक्रम के पीछे हमारा उद्देश्य था कि बच्चे वैलेंटाइन डे को टीवी और मोबाइल पर प्रदर्शित किया जा रहे तौर तरीकों से नहीं बल्कि अपने परिवार के साथ भी उत्साह से बना सके तथा मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से उनको यह संदेश दिया गया कि हमारे जीवन में माता-पिता की कितनी अहमियत है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर विद्यालय द्वारा इस प्रकार के सामाजिक- सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए जाते रहते हैं ताकि बच्चे अपनी संस्कृति से जुड़े रह सके। कार्यक्रम के दौरान अनेक बच्चे व अभिभावक भावुक होते दिखे।

शहीदों को नमन किया

बीदासर (निस) कस्बे की बचपन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा शनिवार को पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बच्चों ने कैंडल जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया तथा उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की अध्यापिका मीनाक्षी ओझा ने बच्चों को सैनिकों के सम्मान, त्याग और देश सेवा के महत्व की जानकारी दी। वहीं पूनम जांगिड़ ने विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा एवं देशभक्ति से ओतप्रोत प्रेरक विचार साझा किए। जिया वर्मा ने भी बच्चों को शहीद सैनिकों के साहस एवं बलिदान के बारे में बताते हुए देश प्रेम की भावना विकसित करने का संदेश दिया। इस अवसर पर कशिश सोनी एवं कविता तेजस्वी ने बच्चों को देशभक्ति गीत सुनाकर वातावरण को देश प्रेम से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, सैनिक सम्मान तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्य भावना विकसित करना रहा।

भाजपा नेता राजेश दहिया का स्वागत

चिड़ावा, (निसं)। शनिवार को पिलानी विधानसभा के गांव हुक्मा की ढाणी तन स्वामी सेही में भाजपा नेता राजेश दहिया का ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया। हुक्मा की ढाणी में बाबा गोकुलनाथ मंदिर में सवामणी प्रोग्राम था और भाजपा नेता राजेश दहिया ने अपना वादा पूरा करते हुए कल्याणों के बास को स्वामी सेही पंचायत में यथावत रखा। ग्रामीणों ने 21 किलो की फूलों की माला से स्वागत किया। साफा पहनाया। इस अवसर पर युवा नेता सोमवीर लाम्बा, सूरजगढ़ के निवर्तमान प्रधान बलवान, सुरेंद्र भाटिया, पवन मेघवाल, राजेंद्र मास्टर (गुढा), किशोरीलाल, चरणसिंह, सरपंच ईश्वर सिंह पूनियां, जनानारायण कुल्हरि, रिशालसिंह नेहरा, विजयसिंह कुलहरि, महेंद्रसिंह मास्टर, विकास कुलहरि, मोहनलाल मास्टर, श्रीचंद पिलानियां, सूबेसिंह पिलानियां, प्रवीण सांईपंवार, सुरेन्द्र (मोदी), रघुवीर नेहरा, अमरसिंह कुलहरि, रामसिंह कुलहरि, सहीराम सांईपंवार, संदीप कुलहरि, मुकेश पिलानियां आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

रतनगढ़ को आधुनिक नेत्र सुविधा की सौगात

रतनगढ़ (निसं)। शहर में आधुनिक नेत्र सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंचायत समिति रोड, ट्रोमा सेंटर के सामने स्थित श्री श्याम ऑप्टिकल का भव्य शुभारंभ रविवार, 15 फरवरी 2026 को प्रात: 9:15 बजे होगा। नव स्थापित प्रतिष्ठान में उच्च गुणवत्ता वाले फ्रेम, ब्रांडेड लेंस एवं नवीनतम डिज़ाइन के चश्मे उपलब्ध रहेंगे। संचालक निखिल पुत्र पूनमचंद प्रजापत ने बताया कि उनका उद्देश्य रतनगढ़ एवं आसपास क्षेत्र के नागरिकों को विश्वसनीय, गुणवत्तापूर्ण और किफायती नेत्र सेवाएं प्रदान करना है।उन्होंने सभी गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों से शुभारंभ समारोह में उपस्थित होकर आशीर्वाद देने का आग्रह किया है।

गुढ़ा रोड रेलवे पुलिया का काम जल्द होगा शुरू : राजेंद्र भांबू

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में आने वाले समय में तीन-तीन रेलवे ओवरब्रिज होंगे। जी, हां राजस्थान सरकार ने एक तरफ सालों से बंद पड़े पुलिस लाइन के पास पुलिया का काम शुरू करवा दिया है। तो वहीं इस बार के बजट में हवाई पट्टी चौराहे तथा गुढा रोड पर रेलवे क्रॉसिंग पर पुलिया बनाने की घोषणा करते हुए बजट देने की बात कही है। 11 फरवरी को बजट में घोषणा के तीसरे दिन शनिवार को ही गुढा रोड पर प्रस्तावित पुलिया को लेकर सरकार ने सक्रियता दिखाई है।

विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा है कि उनके पास मुख्यमंत्री निवास से समाचार आया है कि रेलवे पुलिया के लिए जो ड्रॉईंग तैयार की थी। वो लगभग अप्रुव है। साथ ही भूमि अधिग्रहण के लिए भी पैसे देने की तैयारी सरकार ने कर ली है। दरअसल बजट के बाद पहली बार झुंझुनूं आए विधायक राजेंद्र भांबू का कई जगहों पर स्वागत किया गया। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश पर ही गुढा रोड पर भांबू का क्षेत्र के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। करीब एक दर्जन जेसीबी से फूलों की बारिश की गई। क्षेत्र के लोगों ने विधायक भांबू को कंधों पर बैठाया और उनका स्वागत किया। इस मौके पर भांबू ने कहा कि वे इस तरह के स्वागत से अभिभूत है। लेकिन यह स्वागत उनका नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का है। हमारी डबल ईंजन की सरकार ने जो वादे किए है। वो सभी पूरे होंगे।

विधायक भांबू ने कहा कि वे सिर्फ जनता ने जो दायित्व और जिम्मेदारी है। उसको निभा रहे है। झुंझुनूं विधानसभा को मुख्यमंत्री भजनलाल ने जो भी सौगातें दी है। वो विकसित भारत, विकसित राजस्थान और विकसित झुंझुनूं के क्रम में एक मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि इस बार बजट ऐतिहासिक है। पिछले 75 सालों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ बजट है। यमुना का पानी लाने के लिए 32 हजार करोड़ रूपए सरकार खर्च करने वाली है। उन्होंने कहा कि तीनों पुलिया बन जाने से भी झुंझुनूं शहर का विकास होगा। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां समेत अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता उनके साथ थे।

श्रीश्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से डॉ. डीएन तुलस्यान और कमल केजड़ीवाल के नेतृत्व में भी विधायक भांबू का स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री गल्ला व्यापार संघ छावनी बाजार के अध्यक्ष नितेश बंका, मंत्री रामावतार अग्रवाल एवं अनिल गाडिया द्वारा विधायक भांबू का माल्यार्पण के साथ साफा, दुपट्टा एवं शॉल ओढाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। स्वागत करने वालों में भाजपा युवा नेता रवि गुप्ता बिरमीवाला, पूर्व पार्षद प्रमोद जानूं, पार्षद संजय पारीक, विनोद जांगिड़, प्रमोद बुडानिया, गुलजारीलाल शर्मा वेदजी, संदीप गोयल, बंशी फोगाट, प्रदीप पाटोदिया, विकास जनेवा, विजेंद्र लांबा, विक्रम झाझड़िया, सुरेश कस्वां व सुनिल पूनियां आदि प्रमुख थे।

एक का निर्माण जारी, दो की और घोषणा:- आपको बता दें कि इस बार के बजट में डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने सीकर-लोहारू रूट पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 266 हवाई पट्टी चौराहे पर पुलिया निर्माण के लिए 45 करोड़ रूपए और इसी रूट पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 269 गुढ़ा रोड पर पुलिया निर्माण के लिए 43.03 करोड रूपए के बजट का प्रावधान रखा है। जबकि लेवल क्रॉसिंग संख्या 265 पुलिस लाइन के पास पुलिया का निर्माण जारी है। इस तरह से झुंझुनूं शहर में ये तीन पुलिया आने वाले समय में हो जाएंगे।

ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन

सीकर, (निसं)। सीकर में जनगणना-2027 को लेकर शनिवार को जिला परिषद सभागार में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के चार्ज अधिकारियों को दो दिवसीय ट्रेनिंग कैंप में पहले चरण हाउस लिस्टिंग की विस्तृत जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर महेश कुमार एवं सुभाष यादव ने चार्ज अधिकारियों से प्रश्नोत्तरी एवं क्रॉस प्रश्नों के माध्यम से विषय को गहराई से समझाया।

जिले में कुल 27 चार्ज अधिकारी हैं, जो अब सुपरवाइजर एवं प्रगणकों की नियुक्ति करेंगे। सीकर जिले में 4500 प्रगणक एवं 750 सुपरवाइजर नियुक्त किए जाएंगे।

ट्रेनिंग के दौरान चार्ज अधिकारियों को डिजिटल स्वगणना के लिए आमजन को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। आमजन खुद पोर्टल पर जाकर अपनी सारी जानकारी भर सकते हैं, जिससे बार-बार परेशानियों से बचा जा सकेगा।

ट्रेनिंग के समापन सत्र में प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर मुकुल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि हाउस विजिट के लिए समय का विशेष ध्यान रखें। जनगणना के दौरान कोई उकसाए या परेशान करे तो भी संयम नहीं खोना है। सभी प्रश्नों के उत्तरों में कोई गलती नहीं होनी चाहिए, इसकी पूरी सुनिश्चितता करें।

'डिग्री से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है छात्र का सर्वांगीण विकास'

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मोदी वर्ल्ड स्कूल के लिए शनिवार का दिन बेहद खास और गौरवपूर्ण है। स्कूल के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी को शनिवार को जयपुर के प्रसिद्ध होटल द ललित में आयोजित बड़े शैक्षिक सम्मेलन जीएसएलसी स्पार्क ड्यूक्स 2026 में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है। उन्हें यहां एक ऐसे प्रभावशाली व्यक्तित्व स्पीकर विद ग्रेविटास के रूप में पेश किया गया है। जिनकी सोच और दूरदर्शिता शिक्षा की दिशा बदलने की ताकत रखती है।

इस बड़े आयोजन का मुख्य विषय द न्यू ग्रेविटी रखा गया है। इसका सीधा मकसद उन ताकतों और बदलावों को समझना है। जो आने वाले समय में स्कूलों और पढ़ाई के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदल देंगे। डॉ. दिलीप मोदी इस मंच पर देश भर से आए शिक्षाविदों के सामने अपने विचार रख रहे हैं कि कैसे आधुनिक समय में स्कूलों को भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार होना चाहिए। डॉ. दिलीप मोदी ने एक पैनल चर्चा के दौरान आधुनिक शिक्षा पद्धित पर अपने विचार साझा किए। पाठ्यक्रम बनाम अनुभव विषय पर केंद्रित इस चर्चा में डॉ. मोदी ने स्पष्ट किया कि आज के युग में केवल किताबी ज्ञान छात्रों के भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने ने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य अंक तालिका तैयार करना नहीं। बल्कि एक सशक्त चरित्र का निर्माण करना है।

उन्होंने जोर देकर कहा, अंकों से ज्यादा चरित्र का महत्व है। पैनल चर्चा में उन्होंने बताया कि मोदी वर्ल्ड स्कूल में लर्निंग बाय डूइंग (करके सीखना) पर जोर दिया जाता है। रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर बच्चों को अनुभवों के माध्यम से सिखाना ही वास्तविक शिक्षा है हम सभी को बदलते समय के साथ स्वयं को अपग्रेड करने की जरूरत है। तकनीक और परंपरा का संगम आधुनिकता और तकनीक के दौर में भी भारतीय संस्कारों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास और अत्याधुनिक लैब के साथ-साथ अनुशासन और नैतिक मूल्य स्कूल की प्राथमिकता हो। डॉ. मोदी के अनुसार स्कूली शिक्षा का लक्ष्य ऐसे ग्लोबल सिटीजन्स तैयार करना हो जो न केवल अपने कॅरिअर की ऊंचाइयों को छुए, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार भी हों। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी के साथ मोदी वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा भी मौजूद रहे। जिन्होंने जयपुर में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. शर्मा की उपस्थिति इस बात को दर्शाती है कि उनका अनुभव भी शिक्षा के क्षेत्र में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। साथ ही अपने 25 वर्षों से अधिक अनुभव से उन्होंने शेखावाटी क्षेत्र में सीबीएसई स्कूलों में एक बेहतरीन समन्वयक का कार्य किया किया है। निदेशक आकाश मोदी ने इस अवसर पर कहा कि यह बड़ा सम्मान डॉ. दिलीप मोदी को उनकी गहरी समझ और अनुभवी नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया है तथा कार्यक्रम में उन्हें एक विशेष वक्ता का दर्जा मिला है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आने वाले कल की शिक्षा प्रणाली और स्कूलों में होने वाले क्रांतिकारी बदलावों पर चर्चा करना था। मोदी वल्र्ड स्कूल परिवार के लिए यह बड़े सम्मान की बात है कि डॉ. मोदी का नेतृत्व राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा की नई परिभाषा तय करने में अपना योगदान दे रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मान के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, निदेशिका गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्यामसुंदर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि एवं स्कूल स्टाफ ने डॉ. मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

'मिलेट्स को अपनाएंगे, फास्ट फूड नहीं खाएंगे'

सीकर, (निसं)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को अरबन हाट बाजार में ईट राइट मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुभाष महरिया के मुख्य आतिथ्य में हुए मेले में वक्ताओं से मिलेट्स का महत्व बताते हुए खाने में इसका उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने मिलेट्स का सेवन करने से होने वाले शारीरिक फायदे बताते हुए इनका सेवन करने से बीपी, शुगर, डायबिटिज जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। मिलेट्स में फाइबर, प्रोटिन, आयरन, कैल्सियम, मैग्नीशियन, जिंक, विटामिन बी आदि अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। मिलेट्स पाचन विकास आदि से सुरक्षा करने में सहायक है।

मेले की अध्यक्षता दांतारामगढ के भाजपा नेता गजानंद कुमावत ने की। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर भावना शर्मा, जिला समन्वयक राकेश लाटा थे। इस अवसर पर अतिथियों ने मिलेट्स पोस्टर का विमोचन भी किया। मेले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया व एडीशनल सीएमएचओ डॉ हर्षल चैधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। मेले में सीकर शहर के खाद्य व्यापारी तथा सरकारी व प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अतिथियों ने मेले में लगी विभिन्न प्रकार के मिलेट्स उत्पाद की स्टॉल का निरीक्षण किया और बाजरे, रागी के बिस्किट भी खरीदे।

इससे पूर्व कल्याण स्कूल के खेल मैदान में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर वॉकथान को रवाना किया। वॉकथान में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी हाथों में मिलेट्स को बढ़ावा देने से संबंधित नारे लिखी तख्तियां तथा बैनर लेकर चल रहे हैं। वॉकथान शहर के बजरंग कांटा, डिपो तिराहा होते हुए अरबन हाट बाजार पहुंची। वॉकथान में छात्र छात्राएं मिलेट्स अपनाएंगे, पीजा बर्गर नहीं खाएंगे, कदम बढ़ाएं, सेहत बनाए, ईट राइट का संदेश फैलाए, मोटा अनाज अपनाओ खुद को बलवान बनाओ जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया, एडीशनल सीएमएचओ डॉ हर्षल चैधरी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महमुद अली, डीईओ वेदप्रकाश बाजिया सहित सभी प्रशिक्षु एसएफओ व चिकित्सा विभाग के अधिकारी व कार्मिक मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीकर (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग सीकर के सहायक निदेशक डॉ. गार्गी शर्मा के निर्देशन में शनिवार को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 टीम द्वारा सीकर में बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन सीकर के जिला समन्वयक राहुल दान दिया ने बताया कि महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मोचीवाडा के विद्यार्थियों के साथ बाल विवाह रोकथाम विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

- बाल विवाह के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल विवाह से उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। उपस्थित विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह में शामिल होने वाले हलवाई, पंडित, फोटोग्राफर, बाराती, टेंट संचालक, डीजे संचालक सहित किसी भी प्रकार से भागीदारी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनन कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल है।

अध्यापकों एवं बच्चों को यह भी बताया गया कि यदि कहीं भी बाल विवाह होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाती है। इसके अतिरिक्त बच्चों को लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 ( ) तथा गुड टच एवं बैड टच के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष चौधरी ने चाइल्ड हेल्पलाइन की सेवाओं की सराहना करते हुए बच्चों एवं अध्यापकों से आग्रह किया कि अपने आसपास कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम की सुपरवाइजर सुनीता, धर्मचंद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को ध्यान में रखकर बजट पेश किया'

सीकर, (निसं)। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी सीकर प्रवास पर रहे। श्री चतुर्वेदी भाजपा कार्यालय पहुंचे यहां पर जिलाध्यक्ष मनोज बाटड के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां सहित कार्यकर्ताओं ने माला, गुलदस्ता, साफा व पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

- 'प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा की सरकार लगातार विकास कर रही है'

इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को ध्यान में रखकर बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि बजट में सभी वर्गों व क्षेत्र के विकास की दृष्टि को ध्यान में रखा है। कहा कि 2047 के विकसित भारत व विकसित राजस्थान की परिकल्पना का रोड मैप बजट में दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि अंत्योदय व एकात्म मानवाद के सिद्धांतों पर भाजपा चलती है। बिजली, खाद्य सुरक्षा, पेंशन बढ़ोतरी के साथ आम आदमी के विकास की कामना करती है। महिलाओं, गरीब, युवा, अन्नदाता व नारी के उत्थान का काम होगा बजट के माध्यम से होगा। युवाओं को नौकरी दी है, स्वास्थ्य का ध्यान रखा। उन्होंने कहा कि पिछले संकल्प के 70 प्रतिशत कामों को पूरा कर चुके हैं और शेष का निरंतर जारी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार लगातार विकास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत बनाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यमुना जल को भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में शामिल करते हुए काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। राजस्थान सरकार ने 32 हजार करोड़ का प्रोविजन बजट में रखा है। शेखावाटी के लोगों को आजादी के बाद से लंबित मांग को पूरा करने का काम भाजपा सरकार ने किया है। कहा कि जल्द ही पाईप लाइनों के माध्यम से शेखावाटी में यमुना जल का पानी पहुंचेगा।

विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अंतिम कार्यकाल के बजट में सिर्फ घोषणाएं करने का काम किया था। कांग्रेस की सरकार होटलों में रही।

जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र माथुर ने बताया कि इस दौरान जिलाध्यक्ष मनोज बाटड, किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, नेमीचंद कुमावत, करण सिंह, महेश खोखर, इंद्र शर्मा, गजेंद्र चारण, वरूण कुशलेश शर्मा, कविता चौधरी, महावीर सैन, रविंद्र गहलोत, आशीष जैन, ओमेंद्र चारण, मदन गढ़वाल, त्रिभुवन सिंह शेखावत, योगेश वर्मा, तरूण ढिकिया आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

'कलियुग में गायों की सेवा पापों का नाश करती है'

बीदासर (निसं)। निकटवर्ती गांव धोरां की ढाणी स्थित गोरखधुणा में संत पं. रेंवती रमण के आश्रम पर महा शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष में रूद्र महायज्ञ समिति के तत्वावधान में 121 कुंडीय रूद्र महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित चंद्रशेखर दाधीच के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 121 पंडितों व 363 जोडों ने एक साथ आहुतियां दी। विशाल धार्मिक आयोजन के चलते मंत्रोच्चार की गुंज से आसपास के क्षेत्रों में वातावरण आध्यात्मिक बना हुआ है। वहीं यज्ञ के दर्शन के लिए निकटवर्ती कस्बा नागौर, डिडवाना, लाडनू, सालासर, सीकर, नेछुआ, रतनगढ, पडिहारा, छापर, बीदासर सहित अनेक क्षेत्रों से सैकडों की संख्या में श्रद्धालु ने पहुंचकर यज्ञ के दर्शन किए तथा ओम नम शिवाय का जाप करते हुए यज्ञ मण्डप की परिक्रमा की। यज्ञ के साथ यज्ञ स्थल के पास प्रात: भागवत कथा का वाचन करते हुए पंडित नोरतमल शर्मा ने कहा कि कलियुग में भगवत नाम की बड़ी महिमा है क्योंकि कलियुग में केवल भगवान सुमिरन करने मात्र से व्यक्ति तर सकता है। कलियुग में गायों की सेवा पापो का नाश करती है। गाय को माता इसलिए कहा है, कि वह सृष्टि का पालन करती है। उन्होंने कहा कि जिस घर में गाय है, वहां कभी दरिद्रता नही आ सकती। हमें गाय का शोषण नही बल्कि उसकी रक्षा करनी चाहिए। वही दोपहर में शिवपुराण कथा का वाचन कथावाचक पंडित घनश्याम शर्मा एवं श्रीराम कथा का वाचन पंडित हनुमान प्रसाद शर्मा ने विभिन्न प्रसंगो पर कथा का सार बताया। उल्लेखनीय है कि गोरखधुणा पर वर्ष 1997 से लगातार शिवरात्रि के उपलक्ष मे रूद्र महायज्ञ हो रहा है। ये 30 वां यज्ञ है। धार्मिक आयोजन के चलते लगभग चार दर्जन से अधिक अस्थाई दुकाने टैंटों में लगी हुई है। जहां ग्रामीण खरीददारी करते नजर आ रहे है। वही आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में पैदल यात्रियों का जत्था गोरख धूणा पहुंचकर संत पंडित रेवती रमण के मंदिर में धोक लगाकर मनोतियां मांगी।

'आयुर्वेद विभाग में जल्द ही नई भर्ती देखने को मिलेगी'

झुंझुनूं, (निसं)। आयुर्वेद विभाग में नर्स, कंपाउंडर जूनियर ग्रेड मेरिट बेस भर्ती की मांग करने वाले बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। अब आयुर्वेद विभाग में जल्द ही रिक्त पदों पर नई भर्तियां देखने को मिलेगी। इसके लिए आयुर्वेद विभाग के मुखिया और प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा गंभीर नजर आ रहे हैं। शनिवार को झुंझुनूं दौरे पर आए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं आयुर्वेद विभाग के मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने लगातार बेरोजगारों के द्वारा नर्स, कंपाउंडर नई भर्ती की विज्ञिप्त जारी करने के लिए उठाई जा रही मांग के सवाल पर मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में लगभग दो हजार के करीब आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित कर इनमें लैपटॉप, दवाइयां जैसी सुविधाओं का विस्तार किया है। जिससे बड़ी संख्या में आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर योग प्रशिक्षक की नियुक्ति की जा रही है। जो लोगों को नियमित योगा का अभ्यास करवा रहे हैं। इसके अलावा हमने अब तक करीब 1700 पदों पर आयुर्वेद विभाग में भर्तियां पूरी की है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बेरोजगारों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए कहा कि अब आने वाले दिनों में जल्द से जल्द हम आयुर्वेद विभाग में नर्स, कंपाउंडर और चिकित्सकों की भर्ती करने जा रहे हैं। साथ ही उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि बजट घोषणा की अलावा भी प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बड़ी घोषणाएं करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के हजारों आयुष नर्सेज बेरोजगार आयुष नर्स कंपाउंडर जूनियर ग्रेड मेरिट बेस नई भर्ती के विज्ञापन को अतिशीघ्र जारी करने की सालभर से मांग कर रहे हैं। डिप्टी सीएम के संकेत से अब इस मांग को संभवत: जल्द ही पूरा होते देखा जा सकता है।

विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

चूरू (निसं)। स्थानीय इंद्रमणी पार्क में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से श्रीराम बस्ती का विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिसाऊ के गणेशनाथ आश्रम के महंत रविनाथ महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ झुंझुनूं विभाग के धर्म जागरण संयोजक सत्यवीर सहारण, वरिष्ठ अधिवक्ता कानसिंह राठौड, डॉ शीला भार्गव, सेवानिवृत प्रधानाचार्य सत्यनारायण उपाध्याय, जयसिंह पूनिया मंचस्थ अतिथि थे। कार्यक्रम में अतिथियों का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रविनाथ महाराज ने कहा कि विराट हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, सनातन संस्कृति का संरक्षण, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना और राष्ट्र निर्माण में हिंदू शक्ति की भूमिका को मजबूत करना है। ये सम्मेलन जातिवाद को समाप्त करने, राष्ट्र विरोधी सोच का मुकाबला करने और सांस्कृतिक चेतना जागृत करने के लिये आयोजित किए जा रहे हैं। सत्यवीर सहारण ने बताया कि सांस्कृतिक चेतना, हिंदू संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं का संरक्षण व प्रसार वर्तमान की आवश्यकता है। उन्होंने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत की प्रगति के लिये परिवार प्रबोधन, पर्यावरण, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य और समरसता को बढ़ावा देना आवश्यक है। इससे पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के महिला-पुरूष उपस्थित थे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हनुमानगढ़, (निसं)। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य के लिए नियमित सहायकों का जिला स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ। 12 से 14 फरवरी तक राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण का समापन प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में हुआ। समापन सत्र में कलेक्टर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नवीनतम जनगणना के आंकडों का उपयोग राष्ट्रीय नीति निर्माण और आधारभूत संरचना विकास में किया जाएगा। इसलिए जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में पूर्ण गंभीरता व शुद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल जनगणना के अंतर्गत किए गए नवाचारों, विशेषकर स्व-गणना प्रक्रिया के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही चार्ज स्तर पर कार्य कर रहे कार्मिकों को योजना बनाकर निर्धारित समयावधि में सभी कार्य पूर्ण करने को कहा। जनगणना निदेशालय के मास्टर ट्रेनर श्री योगेश बजाज और श्री नीरज कुमार ने प्रथम चरण से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिभागियों को जनगणना के लिए तैयार पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन पर अभ्यास भी कराया।

ईशान मिश्रा का चिड़ावा में स्वागत

चिड़ावा, (निसं)। भारत सरकार द्वारा झुंझुनूं जिले के लिए अधिवक्ता ईशान मिश्रा को एडिशनल स्टैंडिंग गवर्नमेंट काउंसिल नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर है। इस उपलब्धि पर पिलानी बाईपास रोड स्थित चिड़ावा में नरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। समारोह के दौरान अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने मिश्रा का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से अभिनंदन किया। उपस्थित जनसमूह ने इसे पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय प्रतिभा को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना क्षेत्र की विधिक क्षमता पर विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर ईशान मिश्रा ने कहा कि यह पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं विधि एवं न्याय मंत्रालय का आभार व्यक्त करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि अधीनस्थ न्यायालयों में भारत सरकार के हितों की रक्षा पूरी निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के साथ करूंगा। कार्यक्रम में कमलेश, कृष्ण कुमार, प्रमोद शर्मा, भादरमल जांगिड, त्रिलोक चंद, प्रभुदयाल, कृष्ण बुडानिया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने मिश्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अरड़ावता गांव को ट्यूबवैल की सौगात

चिड़ावा, (निसं)। शुक्रवार को पिलानी विधानसभा के गांव अरड़ावता में भाजपा नेता राजेश दहिया के सुपुत्र मनीष दहिया ने नए ट्यूबवैल का विधिवत रूप से शिलान्यास किया। दहिया ने उद्बोधन में बताया कि किसी भी व्यक्ति को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इस दौरान गांव अरड़ावता के ग्रामवासियों ने दहिया का तहे दिल से आभार जताया और अपार आशीर्वाद दिया। दहिया ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजेश शर्मा, अनूप राजपूत, विजयसिंह थाकन, हीरालाल मेघवाल, ओमप्रकाश बुडानिया, बाबूलाल मेघवाल, राजेश बुडानिया, सुमेर बुडानिया, विजय बुडानिया, राकेश ओला, अंकित (भला), सुमित थकान, संजय, ओम मेघवाल, राजेश थाकन, रोशन कुमार, अशोक बारला, चिंकी सहित गणमान्य नागरिक बंधु उपस्थित रहे।

46 हजार करोड़ रूपए की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजना को कस्टमाइज़ पैकेज मिलेगा

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमैंट की बैठक ने स्वीकृति दी

जयपुर, 14 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने

■ **ये दस परियोजनाएं सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस व मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन क्षेत्र से हैं। इससे 12 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक हुई। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित, बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एस जयशंकर म्युनिख पहुंचे

नई दिल्ली, 14 फरवरी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने जी7 समूह के विदेश मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत, साझा हितों पर बात की। जयशंकर ने एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्री ने लिखा, समुद्री संचार रेखाओं की सुरक्षा, सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले के तौर पर काम करना,

■ **विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया व जी-7 ग्रुप के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की।**

बंदरगाह सुरक्षा को मजबूत करने और सबमरीन केबल संरचना के लिए मदद करने में हमारी भूमिका पर बल दिया। इस बातचीत में भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित पर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही, एस जयशंकर ने एक गोलमेज बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, म्युनिख में आस्पेन के राउंडटेबल 'दिल्ली डिसाइड्स: मैपिंग इंडियाज पॉलिसी कैलकुलस' के साथ अहम बैठक की। बहुध्रुवीय मांगों को पूरा करने के लिए एक तेज और बेजोड़ विदेश नीति की जरूरत पर जोर दिया।

चाकसू के पास कार दुर्घटना में 5 की दर्दनाक मौत

टिगरिया मोड़ पर सुबह 5 बजे ड्राइवर को झपकी आने से तेज रफ्तार कार ट्रेलर में घुस गई

जयपुर, 14 फरवरी। चाकसू थाना इलाके में स्थित कोटा नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त कार को ट्रेलर से अलग किया और सभी मृतकों को सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने काफी प्रयास से मृतकों की शिनाख्त कर हादसे की सूचना उनके परिजनों को दी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू के टिगरिया मोड़ पर शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे कोटा नेशनल हाईव पर ट्रेलर और कार की टक्कर की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे पांच लोगों को काफी मुश्किल से बाहर निकाला। जिनमें एक महिला समेत चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, अस्पताल ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि कार चालक को अचानक से नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर

■ **जबलपुर के रहने वाले यात्री उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद खाटू श्याम जी जा रहे थे।**

में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार में पांच लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। बताया जा रहा है कि सभी लोग मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे और महाकाल उज्जैन के दर्शन कर खाटूश्यामजी सीकर जा रहे थे। थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से अलग-अलग किया और राहगीरों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाल उप जिला अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। करीब दो घंटे बाद यातायात सुचारू कराया गया।

गौरतलब है कि मृतका रेशमा श्रीवास्तव जबलपुर के रेलवे शासकीय स्कूल में सरकारी टीचर थीं। उनके पति अखिलेश श्रीवास्तव पिछले साल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से हायर ग्रेड असिस्टेंट पद से रिटायर हुए थे। रेशमा की 2 बेटियां हैं। बड़ी बेटी पलक ने ग्रेजुएशन पूरी कर ली है, जबकि छोटी बेटी पूजा 11वीं क्लास में पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक के चालक सत्यनारायण निवासी काछोला (भीलवाड़ा) को दस्तयाब कर लिया है। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने जब्त कर थाने में खड़ा करवाया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

'पिच से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे, यह सवाल मौजूदा तनाव के केन्द्र पर था। हमेशा संयमित रहने वाले सलमान ने सीधा हां या ना कहने के बजाय, ऐसा जवाब दिया, जिससे सबकी उत्सुकता बनी रही।

उन्होंने कहा, "कल पता चल जाएगा," और इस तरह खेल भावना के एक संभावित क्षण के लिए दरवाजा खुला छोड़ दिया।

असम हाइवे पर प्र.मंत्री के विमान की इमरजैंसी लैंडिग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के मोरान में पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (इमर्जेंसी लैंडिंग फैसिलिटी-ईएलएफ) पर सी-130 जे विमान से ऐतिहासिक लैंडिंग की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के एक दिवसीय दौरे की शुरुआत की, जहां जल्द ही चुनाव होने वाले हैं।

वे अपने आगमन के बाद, चाबुआ हवाई अड्डे से उडान भरकर राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के मोरान स्थित हिस्से पर बने ईएलएफ पर उतरे।

इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि यह ईएलएफ आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। 100 करोड़ रुपये की

■ **यह असल में पूर्वोतर की पहली इमरजैंसी लैंडिग फैसिलिटी है और इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विमान की इमरजैंसी लैंडिग करवाई।**

लागत से बना यह 4.2 किमी लंबा सुदृढ़ीकृत मोरान बाईपास खंड, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और परिवहन विमानों के लिए एक रणनीतिक एवं बहुउद्देशीय रनवे के रूप में कार्य करेगा, जिससे रक्षा, लॉजिस्टिक्स और आपदा प्रतिक्रिया को मजबूती मिलेगी।

यह सुविधा नागरिक और सैन्य, दोनों उपयोगों के लिए डिजाइन की गई है और आपात स्थिति में डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे के विकल्प के रूप में कार्य करेगी। यह ईएलएफ 40 टन तक के लड़ाकू विमान और 74 टन अधिकतम टेक-ऑफ वजन वाले परिवहन विमान संभालने में सक्षम है। भारत के पहले ईएलएफ का उद्घाटन वर्ष 2021 में राजस्थान के बाड़मेर जिले में किया गया था।

लैंडिंग के बाद, पीएम मोदी ने लगभग 40 मिनट का एयर शो देखा, जिसमें तेजस, सुखोई, राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया।

वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। वे ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी को उत्तर गुवाहाटी से जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का लोकार्पण करेंगे, जिससे यातायात जाम में उल्लेखनीय कमी, यात्रा समय में कमी और नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों के बीच बेहतर संपर्क की उम्मीद है। वे बोंगोरा में भारतीय प्रबंधन संस्थान (इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट-आईआईएम) गुवाहाटी के अस्थायी परिसर का भी उद्घाटन करेंगे।

इंडिगो की कोलकाता -शिलांग फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

कोलकाता, 14 फरवरी। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की एक निर्धारित उड़ान में बम की आशंका जताई गई।

एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से शनिवार सुबह जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विमान के शौचालय के भीतर एक हस्तलिखित पर्ची बरामद हुई, जिसमें बम होने का संकेत दिया गया था।

यह पर्ची विमान के एक क्रू सदस्य की नजर में आई। संदिग्ध संदेश मिलते ही चालक दल ने तत्काल इसकी सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही हवाई अड्डे पर आपात सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया।

क्या रहमान के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे प्र.मंत्री मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनावों में प्रचंड जीत के बाद अपने नेता तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित, अन्य क्षेत्रीय नेताओं को आमंत्रित कर सकती है। रहमान के अगले सप्ताह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है।

बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने डब्ल्यु आई ओ एन से कहा कि पीएम मोदी को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जा सकता है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित नरमी का संकेत है। उन्होंने उल्लेख किया कि मोदी पहले ही रहमान को उनकी निर्णायक चुनावी जीत पर बधाई दे चुके हैं।

कबीर ने कहा, "यह क्षेत्र हमारे

■ **बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया जा सकता है।**

लिए महत्वपूर्ण है। इसे प्रभावशाली बनाना तारिक रहमान की विदेश नीति का अहम हिस्सा है। शपथ ग्रहण के लिए निमंत्रण भेजने में प्राथमिकता की भावना है। समय सीमा कम है, लेकिन सद्भावना का संकेत मौजूद है।"

हालांकि, शपथ ग्रहण समारोह में मोदी की उपस्थिति को लेकर अभी तक भारत सरकार या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कबीर ने इस संभावित निमंत्रण को बेहतर संबंधों की दिशा में एक सद्भावनापूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, जब आप किसी को समारोह में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उम्मीद होती है कि वे आएं। यह एक सद्भावना संकेत है।

यदि औपचारिक निमंत्रण भेजा जाता है और स्वीकार किया जाता है, तो समारोह में मोदी की उपस्थिति ढाका में नए राजनीतिक नेतृत्व के तहत भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हो सकती है। नई दिल्ली पहले ही नए नेतृत्व के साथ जुड़ने की अपनी इच्छा जता चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर एक पोस्ट में रहमान को उनकी निर्णायक जीत पर औपचारिक बधाई दी और बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने तथा साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। बाद में मोदी ने रहमान से फोन पर भी बातचीत की।

दिल्ली में 10-15 साल पुरानी गाड़ियां जब्त होंगी

नई दिल्ली, 14 फरवरी। दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक पब्लिक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर खड़ी या चल रही कोई भी पुरानी गाड़ी बिना किसी पहले नोटिस के स्क्रैप कर दी जाएगी। पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम हैं। इस कदम का मकसद नेशनल कैपिटल में एयर पॉल्यूशन स्टैंडर्ड्स को सख्ती से लागू करना है।10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियां और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियां पुरानी गाड़ियों की कैटेगरी में आती हैं। अपने नोटिस में, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने और अपनी गाड़ियों को शहर से बाहर ले जाने की रिक्वेस्ट की है।

अमेरिका व यूरोप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका और यूरोप के विचारों में अंतर अभी भी साफ दिखाई देता है। हालांकि मार्क रुबियो ने इसे नरम और समझाने वाले तरीके से पेश किया, जबकि उपराष्ट्रपति वेंस का तरीका काफी सख्त था। यह अंतर डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका और पारंपरिक अमेरिका के बीच सोच का अंतर भी दिखाता है, न कि यूरोप में किसी बड़े बदलाव को।

इसके बावजूद, अमेरिका लगातार यूरोप से कहता रहा है कि वह अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद ज्यादा उठाए, बजाय इसके कि पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर रहे। यह इस रिश्ते के लेन-देन वाले स्वरूप की याद दिलाता है, जिसमें यूरोप से उम्मीद की जाती है कि वह अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करे।

कई मायनों में इस आलोचना से यूरोप को फायदा भी हुआ है। इस झटके ने यूरोपीय देशों को अपनी पुरानी सोच बदलने और अमेरिका पर निर्भर रहने की आदत से बाहर आने के लिए प्रेरित किया है।

नए हालात में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने यूरोपीय यूनियन के साथ फिर से मजबूत संबंध बनाने की बात कही है। ब्रिटेन करीब दस साल पहले यूरोपीय साझा बाजार से बाहर निकल गया था और उसने दुनिया के अन्य देशों के साथ संबंध मजबूत करने की नीति अपनाई थी।

अब दूसरे यूरोपीय देश भी अमेरिका से अलग आपसी सहयोग बढ़ाने की बात कर रहे हैं। यूरोपीय साझा सेना बनाने और संयुक्त सैन्य कमान बनाने जैसे विचार भी सामने आ रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिका के पास होना चाहिए और जरुरत पड़े तो सेना का विकल्प भी है, इस बात से यूरोपीय देश सतर्क व एकजुट हो गए हैं।

आखिरकार रूस के खतरे ने यूरोप में डर पैदा किया है और उसे एहसास कराया है कि वह रूसी आक्रमण के सामने कितना कमज़ोर हो सकता है। इस डर को बनाए रखने के लिए यूरोपीय देशों ने आज रूसी विपक्षी नेता एलेक्स नवलनी की हत्या पर संयुक्त बयान जारी किया।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले साइबेरिया की जेल में बंद रहने के दौरान नवलनी को मारने के लिए दक्षिण अफ्रीकी डार्ट फ्रॉग के जहर का इस्तेमाल किया गया था।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले बदमाशों का गैंग पकड़ा

पुलिस ने बताया एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ये बदमाश ऑनलाइन बेटिंग के जरिए भी ठगी करते थे

नोएडा, 14 फ़रवरी। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (नोएडा यूनिट) ने बीती रात को एनसीआर के विभिन्न नामी निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले गैंग के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऑनलाइन बैटिंग के जरिए ठगी भी करते थे। आरोपियों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है जो नोएडा के विभिन्न स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में प्रयोग किया गया था।

अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल और भारत के नागरिक शामिल हैं। आरोपी गाजियाबाद के इंदिरापुरम और शाहबेरी क्षेत्र में रहकर कॉल सेंटर के रूप में अवैध ऑनलाइन बैटिंग नेटवर्क संचालित कर

■ **पुलिस ने बताया गिरोह में 6 बदमाश हैं इनका सरगना नेपाल का अमीष है।**

रहे थे। जांच में सामने आया कि धमकी भरा मेल यूएसए से ओरिजिनेट हुआ था। हालांकि तकनीकी पड़ताल में यह भी पता चला कि उससे जुड़ा रिकवरी ई-मेल बांग्लादेश और भारत से लिंक था। आगे की जांच में रिकवरी मेल का कनेक्शन थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी इलाके से जुड़ा पाया गया। इसी के आधार पर एसटीएफ ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में अमीष जंग कारकी (नेपाल), अनन्त कुमार (आगरा), दिव्यांशु (बिहार), साहिल कुमार (बिहार), लेखनाथ शर्मा (नेपाल) और केदारनाथ (नेपाल) शामिल हैं। इनके पास से चार लैपटॉप, 22 मोबाइल फोन, दो नेपाली पासपोर्ट, दो फर्जी आधार कार्ड, चार पैन कार्ड, 16 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एक चेकबुक, नेपाली पैन कार्ड, नागरिकता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और 19 हजार 500 रुपये भारतीय मुद्रा बरामद हुई है।

पूछताछ में मुख्य आरोपित अमीष ने बताया कि वह मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है। उसने 2019-20 में ऑस्ट्रेलिया से बीबीए किया है। वर्ष 2023 में उसने देवराज नामक व्यक्ति के साथ गेममानो कंपनी में काम किया था। सोशल मीडिया के जरिए अनन्त को जोड़ा गया, जो पूर्व में नोएडा स्थित धनी ऐप ऑफिस में कार्यरत था। वहीं अनन्त और दिव्याशु 12वीं पास हैं। इनकी उम्र करीब 25 वर्ष है। लेखनाथ और केदारनाथ ने नेपाल और ऑस्ट्रेलिया से एमबीए की पढ़ ई की है। पुलिस के अनुसार पढ़े-लिखे युवाओं द्वारा संगठित तरीके से साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एसटीएफ को आरोपितों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है, जो धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में इस्तेमाल हुआ था। इस मोबाइल की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या धमकी भरे ई-मेल और बेटिंग नेटवर्क का कोई प्रत्यक्ष संबंध है या नहीं।

बड़े अफसरों के किताब लिखने पर 20 साल की रोक लगेगी!

■ **राजनैतिक व प्रशासनिक हल्कों में इसे नरवणे की किताब को लेकर उठे विवाद का "साइड इफैक्ट" बताया जा रहा है**

नई दिल्ली, 14 फरवरी। सेना और सरकार से जुड़े वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने को लेकर सख्त नियम लाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बताया है कि सरकार एक प्रस्ताव पर मंथन कर रही है, जिसके तहत सेना के वरिष्ठ अधिकारियों समेत बड़े सरकारी पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद कम से कम 20 साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' तय किया जा सकता है। इस अवधि के पूरा होने से पहले वे अपनी किताब या संस्मरण प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है।

यह पूरा घटनाक्रम पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। इस किताब में अगस्त 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य टकराव के दौरान की घटनाओं को लेकर किए गए दावों ने बीते दो हफ्तों से संसद में तीखी बहस छेड़ रखी है। केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को हुई बैठक में यह मुद्दा चर्चा में आया। हालांकि यह मुद्दा बैठक के आधिकारिक 27 सूत्रीय एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान कई मंत्रियों ने राय दी कि प्रभावशाली पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक लंबा कूलिंग-ऑफ पीरियड जरूरी होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

'कट्टरपंथी हिंदुत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज के बांग्लादेश में शेख हसीना और अवामी लीग का अस्तित्व नहीं है।" स्पष्ट है कि भारत में शेख हसीना की मौजूदगी बीएनपी को परेशान कर रही है। कबीर ने कहा, चुनौतियां मौजूद हैं। शेख हसीना जैसे आतंकी का बांग्लादेश से भागकर भारत जैसे संप्रभु देश में रहना चिंता का विषय है। भारत सरकार को उनकी आतंकी गतिविधियों में शामिल या सहयोगी नहीं दिखना चाहिए, जो बांग्लादेश को अस्थिर कर सकती हैं।

नई बीएनपी सरकार ने यह भी साफ किया है कि वह भारत के साथ संतुलित संबंध चाहती है। उनका कहना है कि शेख हसीना के 15 साल के शासन के दौरान बांग्लादेश की विदेश नीति को भारत की विदेश नीति के साथ जुड़ा हुआ माना जाता था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीएनपी की बड़ी जीत के बाद तारिक रहमान को बधाई देने वाले नेताओं में सबसे पहले थे। हालांकि भारत शेख हसीना सरकार के साथ सहज रहा, लेकिन बीएनपी के साथ, यहां तक कि दिवंगत खालिदा जिया के कार्यकाल में भी, रिश्ते ठंडे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन फिलहाल उनके नई दिल्ली आने की कोई योजना नहीं है। कबीर के अनुसार, रहमान के लिए घरेलू प्राथमिकताएं पहले होंगी, क्योंकि उनकी पहली चिंता आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा, "वे किसी समय भारत आएंगे। अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सही समय आने पर तय किए जाएंगे।"

दिल्ली के पास हैलमैट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग

नई दिल्ली, 14 फरवरी। बाहरी दिल्ली के मुडंका थाना क्षेत्र के निलौठी इलाके में शनिवार दोपहर हेलमेट बनाने की एक फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग फैक्टरी से दूर हट गए। देखते ही देखते आग ने फैक्टरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे फायर कंट्रोल रूम को फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए, एक-एक कर कुल 20 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

सीटों व सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर द्रमुक और कांग्रेस में मतभेद बढ़े

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा 2006 के सत्ता में भागीदारी का जनादेश मिला था पर सरकार से अलग रहकर हमने गलती की

नईदिल्ली, 14 फरवरी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर तनाव के संकेत मिलने लगे हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दोनों दलों के बीच पावर शेयरिंग को लेकर अटकलों को फिर से हवा दे दी है।

विवाद उस वक्त गहरा गया, जब तमिलनाडु सरकार में मंत्री राजा कन्नप्पन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके आगामी विधानसभा चुनाव में 160 से 170 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और पार्टी को भरोसा है कि वह 160 सीटें तक जीत सकती है।

उनके इस बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 2021 में आपने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 सीटें जीतीं। हम उन सीटों के बारे में पूछ रहे हैं, जहां आप

■ **तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने साफ कहा, कांग्रेस के साथ गठबंधवन जारी रहेगा पर सत्ता में भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं है।**

हारे थे। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी जरूरी है। सत्ता में भागीदारी हमारा अधिकार है। फैसला जनता करेगी।

कांग्रेस नेता टैगोर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब राज्य सरकार में कांग्रेस की भागीदारी को लेकर लगातार चर्चा और खंडन हो रहे हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम में साफ किया था कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की कोई संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन सरकार में सत्ता साझेदारी का कोई प्रावधान नहीं होगा। इससे कांग्रेस के कुछ नेताओं की मंत्री पद की मांगों पर विराम लग गया।

स्टालिन के बयान के बाद टैगोर ने फिर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता तय करेगी कि यह गठबंधन सरकार होगी या एकदलीय सरकार। वर्ष 2006 में जनता के जनादेश को लागू न करना तमिलनाडु कांग्रेस की गलती थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना ₹2 200~ तक

डाउन पेमेंट ₹7 999$ से शुरू

EMI पर इंस्टेंट कैश बैक ₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card
क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN:L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Splendor+ Drum Brake Variant in Rajasthan.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: सीकर: देव हीरो, आरटीओ चौक के पास, 9289922874, मटोरिया हीरो, 9289922392, झुन्झूनूं: अजय हीरो, 9289922203, चुरु: महालक्ष्मी हीरो, डीटीओ ऑफिस के पास, 9289922872, एसोशिएट डीलर: सीकर: श्री श्याम मोटर्स, (चाला) 9602616888, झुन्झूनूं: हैप्पी मोटर्स, बुहाना 9828580799, अजय हीरो, 9289922203, चिड़ावा: इन्डीका मोटर्स, 9414080651, चुरु: अशोका मोटर्स, 8949434435, महालक्ष्मी हीरो 9289922872, सरदारशहर: नामदेव ऑटोमोबाईल, 9352251427, सुजानगढ़: तोदी मोटर्स, 9413177555, फतेहपुर शेखावटी: जय भवानी मोटर्स, 8107115421, नवलगढ़: गणपति ऑटोमोबाईल, 9414491842, श्री माधोपुर: श्री गुरूजी मोटर्स, 9928404786, लक्ष्मणगढ़: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल, 9413858378, अजीतगढ़: श्री त्रिवेणी मोटर्स, 9414323389, रतनगढ़: जय आदित्य ऑटोमोबाईल्स, 9602910100, पिलानी: प्रदीप मोटर्स, 9602764951, नीम का थाना: बन्सिया ऑटोमोबाईल्स, 8003671799, सुल्ताना: नितिन मोटर्स, 8696332222, राजगढ़: सुबेश एन्टरप्राइजेज, 9116588885, गुढ़ा गौड़जी: शेखावाटी मोटर्स, 9529363953, छापर: भगवती मोटर्स, 9414956013, सिंघाना-झुंझुनू: ऑटो वर्ल्ड, 9413565209, सालासर: आदित्य मोटर्स, 9414402180, मुकुंदगढ़: श्रीराम मोटर्स, 8290554641, खाटू: हरिओम मोटर्स, 9887081642, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, पाटन: हिंदुस्तान ऑटोमोबाइल्स, 9829412885, राजलदेसर: ए डी ऑटो सेल्स, 9414676377, सूरजगढ़: फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल, 9887476447.